हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
(लखनऊ से प्रकाशित)
वर्षः- 02, अंकः-253, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, बुधवार 26 फरवरी 2025

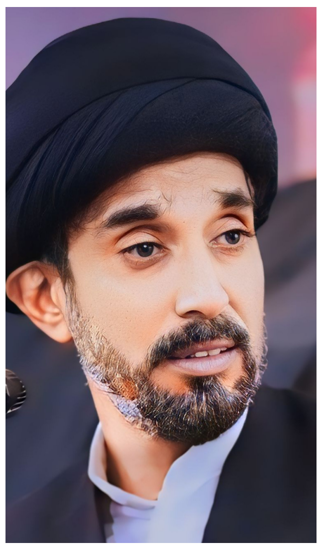

यूपी अपर कामाख्या क्रिकेट लीग के फाइनल में ...02

आजम खान के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम सलाखों से...06

यूपी में 10 करोड़ लोगों को दिया जा रहा आयुष्मान और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ : सीएम योगी

पूरे उत्तर भारत में अच्छे संस्थान के रूप में काम कर रहा एसजीपीजीआई

सीएम ने कहा कि हर जिले में ब्लड बैंक के जरिये जांच की सुविधा हर प्रदेशवासियों को उपलब्ध करायी जा रही है। मेडिकल कॉलेज के साथ पैरामेडिकल और नर्सिंग की पढ़ाई के लिए लगातार काम किया जा रहा है। सरकार ने एसजीपीजीआई में नये आठ विभाग का गठन किया है, जिसमें प्रदेश और देश में जो सुविधाएं नहीं थीं। उनका इलाज भी एसजीपीजीआई में किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि 1200 बेड वाले एसजीपीजीआई में आज 2200 बेड का संचालन हो रहा है।

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न का जवाब देते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया। सीएम ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के किसी भी गरीब के लिए उपचार कराना कठिन नहीं रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 10 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का निश्शुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। वहीं, सरकारी कर्मचारियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलैस स्वास्थ्य योजना के तहत निश्शुल्क स्वास्थ्य की सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले आठ वर्षों में हर जरूरतमंद को इलाज के लिए बिना किसी भेदभाव के धनराशि उपलब्ध करायी गयी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में केवल पार्टी से जुड़े लोगों को ही इलाज के लिए पैसा दिया जाता था। उस दौरान हर कार्य को समाजवादी नाम दिया जाता था जबकि पैसा सरकारी होता था। यही हाल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के पैसा का भी हो गया था, लेकिन अब समाजवादी सरकार नहीं है। आज हमारी सरकार संवेदनशील तरीके से बिना किसी भेदभाव के प्रदेशवासियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वहीं, सरकार इलाज के दौरान अतिरिक्त धनराशि की मांग को भी पूरा कर रही है क्योंकि कोई भी मानव क्षति परिवार के साथ समाज और प्रदेश की भी क्षति होती है। हम इस भाव के साथ काम कर रहे हैं। प्रदेश में आजादी के बाद से वर्ष 2017 तक केवल 17 मेडिकल कॉलेज सरकारी क्षेत्र में थे जबकि आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज के निर्माण की कार्रवाई तेजी से चल रही है। इन मेडिकल कॉलेजों में अच्छे प्रोफेसर लगातार तैनात किये जा रहे हैं। इसके लिए जिलाधिकारियों को अपने स्तर से भी अच्छे डॉक्टर्स को जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में तैनात करने के निर्देश दिये गये हैं। मेडिकल कॉलेज में अच्छी फैकल्टी और सुपर स्पेशलिटी के ब्लॉक बनाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। इसके अलावा हर रविवार को हर पीएचसी स्तर पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आज प्रदेश के हर जिले में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है।

सपा ने कभी नहीं किया आंबेडकर का सम्मान, जिनके बच्चे विदेश में पढ़ते हैं, वे नहीं समझेंगे दर्द : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले तीन वर्ष में उत्तर प्रदेश गरीबी रेखा से पूरी तरह मुक्त होगा। हर व्यक्ति का जीवन स्तर इतना उठाएंगे कि वह सम्मान से खुद को यूपीवासी कह सकें। उन्होंने सपा की ओर इशारा करते हुए कहा कि 2017 के पहले की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। यूपी के नाम पर धर्मशाला में कमरा भी नहीं मिलता था। वे सोमवार को विधानसभा में बजट सत्र के पांचवें दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 13.57 लाख परिवार चिह्नित किए गए हैं। अगले दो वर्ष में इनका जीवन स्तर इतना बढ़ाएंगे कि हर परिवार सवा से डेढ़ लाख रुपये सालाना कमाने का सामर्थ्य अर्जित कर सके। हमने प्रदेश के गरीबों को उनका अधिकार दिलाया है। महाकुंभ व अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के बाद प्रदेशवासी जहां भी जा रहे हैं, उन्हें सम्मान मिल रहा है। देश में करीब 25 करोड़ और यूपी में आठ वर्ष में 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया। सीएम ने जीरो पॉवर्टी पर कहा कि जो मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए, वे क्या जाने गरीबी क्या होती है? केंद्र की योजनाओं को सपा सरकार ने पहले ढाई वर्ष में यूपी में लागू नहीं किया। 2017 के बाद यूपी में 56 लाख गरीबों के लिए आवास व शौचालय बने, गांवों को राजस्व गांव का दर्जा देकर मुख्य धारा से जोड़ा गया। अटल आवासीय विद्यालयों में आज गरीब-श्रमिक का बच्चा भी सीबीएसई बोर्ड से पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं और बजट प्रावधानों को विस्तार से बताया।

सीबीआई ने गेनबिटकॉइन घोटाले में 60 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) गेनबिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले की जांच के सिलसिले में देश भर में 60 से अधिक स्थानों पर छापेमारी कर रही है। सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार यह तलाशी अभियान दिल्ली एनसीआर, पुणे, चंडीगढ़, नांदेड़, कोल्हापुर, बेंगलुरु और अन्य प्रमुख शहरों में चलाया जा रहा है। यह अभियान मामले के मुख्य आरोपियों, उनके सहयोगियों और अपराध की आय को लूटने वाली संदिग्ध संस्थाओं से जुड़े परिसरों में चलाया जा रहा है। गेनबिटकॉइन एक कथित पोंजी स्कीम थी जिसे 2015 में अमित भारद्वाज (मृतक), अजय भारद्वाज और उनके एजेंटों के नेटवर्क द्वारा शुरू किया गया था। यह योजना वैरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के नाम के नीचे कई वेबसाइटों के माध्यम से संचालित होती थी। धोखाधड़ी वाली इस योजना ने निवेशकों को 18 महीनों तक बिटकॉइन में 10 प्रतिशत मासिक आकर्षक रिटर्न का वादा करके लुभाया। निवेशकों को एक्सचेंजों से बिटकॉइन खरीदने और क्लाउड माइनिंग अनुबंधों के माध्यम से गेनबिटकॉइन के साथ निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मॉडल ने मल्टी-लेवल मार्केटिंग संरचना का पालन किया, जो आमतौर पर पिरामिड संरचित पोंजी योजनाओं से जुड़ा होता है, जहाँ भुगतान नए निवेशकों को लाने पर निर्भर करता था।

2027 तक भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का मंगलवार को समापन हो गया। अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समिट को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने देश की 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी रखा है। शाह ने कहा कि समिट में लोकल और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के कई डायमेंशन अचीव किए गए हैं। देश में मध्य प्रदेश निवेश के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बना है। जो मध्य प्रदेश बीमारू राज्य माना जाता था, उसे बीजेपी की सरकार ने 20 साल में बदलकर रख दिया है। अब यहां विकास के बड़े काम हुए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे।

शशि थरूर ने पीयूष गोयल के साथ फोटो शेयर की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ की फोटो एक्स पर शेयर की। तस्वीर में उनके साथ ब्रिटेन के ट्रेड सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स भी नजर आ रहे हैं। शशि की ये पोस्ट तब सामने आई है, जब उनके और कांग्रेस पार्टी के रिश्तों में खटास की खबरें हैं। थरूर ने फोटो कैप्शन में लिखा- ब्रिटेन के बिजनेस और ट्रेड स्टेट सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ उनके भारतीय समकक्ष वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में बातचीत करके अच्छा लगा। लंबे समय से रुकी हुई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो बहुत स्वागत योग्य है। दरअसल, 23 फरवरी को ही शशि ने कहा था- मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है तो मेरे पास भी विकल्प मौजूद है। हालांकि थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन करते हुए कहा था कि भले ही विचारों में अंतर हो, लेकिन वह ऐसा नहीं मानते।

सोना महंगा हुआ, चांदी के दाम में गिरावट

टाटा कैपिटल के आईपीओ को बोर्ड की मंजूरी

यूनियन और सेंट्रल बैंक में होम लोन हुआ सस्ता

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के कुछ वर्षों में 44 अरब डॉलर होने की उम्मीद : जितेन्द्र सिंह

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले कुछ वर्षों में 8 अरब डॉलर से बढ़कर 44 अरब डॉलर हो जाने की उम्मीद है, जिससे मूल्य संवर्धन होगा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग तथा कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को यहां एक बिजनेस कॉन्क्लेव में यह बात कही। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला, तथा इस सफलता के पीछे अंतरिक्ष बजट में वृद्धि को एक प्रमुख कारक बताया। वर्ष 2013-14 में 5,615 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-2026 में 13,416 करोड़ रुपये हो गया है, जो अंतरिक्ष क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. सिंह ने 2014 को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया।

त्रिपुरा में आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों ने एनएच को किया जाम

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा में आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के एक समूह ने मंगलवार को 21 सूत्री मांगों को लेकर बारामुरा की तलहटी में 24 घंटे का राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम करके विरोध प्रदर्शन किया। आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के समूह ने एनएच 108 पर बारामुरा के अलावा बिश्रामगंज, अमरपुर, हेजामारा और खोवाई चौमुहानी सहित कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के नेता डैनियल देबबर्मा ने कहा कि शुरुआती चरण में बुधवार सुबह तक नाकाबंदी जारी रहेगी और अगर मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे आने वाले दिनों में तीव्र विरोध प्रदर्शन करेंगे। गौरतलब है कि 1988 से कई प्रतिबंधित संगठनों के सौकड़ों उग्रवादियों ने अलग-अलग मौकों पर आत्मसमर्पण किया।

सैन्य संचालन महानिदेशक ने मणिपुर में तैयारियों की समीक्षा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाये जाने के बाद स्थिति को सामान्य बनाये जाने के प्रयासों के बीच सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने राज्य में सुरक्षा की स्थिति की जानकारी ली और सेना की तैयारियों समीक्षा की है। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, राज्य सुरक्षा सलाहकार, मणिपुर के मुख्य सचिव और मणिपुर के पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की।

सुप्रीम कोर्ट ने तोड़फोड़ के मामलों में वाईएसआरसीपी नेताओं को दी अग्रिम जमानत

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 2021 में मंगलागिरी में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के केंद्रीय कार्यालय में कथित रूप से तोड़फोड़ करने से संबंधित मामले में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की विजयवाड़ा पूर्व इकाई के समन्वयक देवीनेनी अविनाश समेत कई नेताओं को मंगलवार को अग्रिम जमानत दे दी। इससे पहले, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने इसी मामले में उनकी याचिका खारिज कर दी थी। श्री अविनाश पर अक्टूबर 2021 में वाईएसआरसीपी शासन के दौरान मंगलागिरी में सत्तारूढ़ तेदेपा के केंद्रीय कार्यालय एनटीआर भवन में कथित रूप से तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया गया था। वह पिछले साल सितंबर से अंतरिम संरक्षण में हैं। उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने 2021 में मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के उंडावल्ली आवास में कथित तोड़फोड़ के सिलसिले में पूर्व मंत्री एवं विधायक जोगी रमेश को भी अग्रिम जमानत दे दी। श्री अविनाश की तरह ही श्री रमेश भी अंतरिम संरक्षण में थे। उन पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप हैं। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि किसी भी तरह का सहयोग न करने पर जमानत आदेश रद्द कर दिया जाएगा। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं को अपने पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया और जांच अधिकारी को सूचित किए बिना देश छोड़ने पर रोक लगा दी गयी। श्री अविनाश की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि कथित घटना तीन साल पहले हुई थी और इसमें 88 लोग शामिल थे।

राजनाथ ने कहा, साइबर हमलों जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहे तटरक्षक बल

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तटरक्षक बल से साइबर हमलों , डेटा चोरी, सिग्नल और राडार जैमिंग जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने तथा इन स्थितियों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां तटरक्षक बल के अलंकरण समारोह में वीरता, विशिष्ट सेवा और उल्लेखनीय सेवा के लिए 32 कर्मियों को पदकों से सम्मानित किया। इनमें राष्ट्रपति के छह तटरक्षक पदक, 11 तटरक्षक पदक (वीरता) और 15 तटरक्षक पदक शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर वीरता के लिए तटरक्षक पद से सम्मानित कमांडेंट सौरभ (मरणोपरांत) को नमन किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि बदलते समय में तटरक्षक बलों की चुनौतियां भी बदल रही हैं इसलिए बल को अपने आपको इनसे निपटने में सक्षम बनाकर हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा , हमारे सामने वर्षों से, जो पारंपरिक खतरे उभर रहे हैं, उनको दूर करने के लिए आप सभी हमेशा चौकस रहते हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बदल रहा है, हमारे सामने अब चुनौतियां भी अलग तरीके की आ रही हैं। उन्नत प्रौद्योगिकी के इस दौर में, हमारे सामने ऐसी चुनौतियां भी आ रही हैं, जो गैर पारंपरिक हैं।तटरक्षक बल को साइबर हमले, डेटा चोरी, सिग्नल जैमिंग, रडार में व्यवधान और जीपीएस धोखे जैसे अनेक प्रौद्योगिकी खतरे से को दो-चार होना पड़ रहा है। यानी आपको दोनों ही तरीके से चौकस रहने की जरूरत है रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में जिस सशक्त और समृद्ध भारत की संकल्पना की जा रही है उसकी राह सभी बलों के सशक्तीकरण से होकर जाती है। सशक्त स्वास्थ्य, सशक्त अर्थव्यवस्था, सशक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी और संपूर्ण राष्ट्रीय और सामाजिक सशक्तीकरण से जोड़कर देखता हूँ।

कर्नाटक-महाराष्ट्र के बीच बस सर्विस विवाद, यात्री परेशान

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक-महाराष्ट्र के बीच बस विवाद तूल पकड़ रहा है। राजनीतिक बयानबाजी हो रही है। मंगलवार को महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री ने प्रताप सरनाईक राज्य परिवहन निगम में मार्शल तैनात करने की बात कही।

उन्होंने कहा, मराठी हमारा गौरव है और हमें अपने यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। महाराष्ट्र को अपना गर्व है। अगर पड़ोसी राज्य के लोग हमारे लोगों को धमकाते हैं तो बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा- इस मुद्दे पर राज्य कैबिनेट की बैठक में भी चर्चा की जाएगी। दोनों राज्यों के बीच बस सेवा टर्मिनेट होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। परिवहन विभाग के अधिकारी कर्नाटक के अधिकारियों से बात कर रहे हैं। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा- बस यात्रियों को सुरक्षा देना कर्नाटक सरकार की भी जिम्मेदारी है। अगर वो ऐसा नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र सरकार सुरक्षा देगी।

अनिश्चितताओं के इस दौर में भी दुनिया को भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि पर भरोसा : पीएम मोदी

गुवाहाटी/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया भर में इस समय फैले अनिश्चितता के वातावरण के बावजूद भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि को लेकर जानकार आश्वस्त हैं। श्री मोदी ने कहा कि यह भरोसा देश की सुधारवादी नीतियों, हुनरमंद एवं नवाचारी युवा वर्ग, उभरते नव-मध्यवर्ग और राजनीतिक स्थिरता तथा नीतिगत निरंतरता के प्रति देश की 140 करोड़ आबादी के समर्थन को देख कर बना है। श्री मोदी असम सरकार द्वारा गुवाहाटी में आयोजित वैश्विक निवेश सम्मेलन-एडवांटेज असम का उद्घाटन कर रहे थे। सम्मेलन में दुनिया भर से निवेशक, नीति निर्माता और राजनयिक भाग ले रहे हैं। श्री मोदी ने कहा, आज हम वैश्विक परिस्थितियों को बारीकी से देख रहे हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं के वातावरण में एक बात निश्चित है कि जानकार भारत की तेज ग्रोथ (तीव्र आर्थिक वृद्ध) को लेकर भरोसा कर रहे हैं। इस भरोसे के ठोस कारण हैं। उन्होंने कहा कि आज का भारत अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के एक सपने को लेकर एक के बाद एक नये-नये फैसले कर रहा है। संपर्क सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा है, जो तेजी से कौशल-सम्पन्न और नवाचारी हो रही है। भारत में एक नया मध्यम वर्ग उभर रहा है। देश की 140 करोड़ जनता है, जो राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता के साथ खड़ी है। देश में सुशासन के साथ-साथ सुधार जारी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत कर रहा है और दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। पूर्वी एशिया के साथ हमारे संबंध मजबूत हो रहे हैं और भारत-मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया)-यूरोप आर्थिक गलियारा नये अवसर पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिये मिशन मोड पर काम शुरू किया है।

दिल्ली सीएम ने विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट पेश की

आप की शराब नीति से 2000 करोड़ का घाटा हंगामा कर रहे 21 आप विधायक सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में शराब नीति पर सीएजी रिपोर्ट पेश की गई। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने रिपोर्ट सदन में रखी। एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि पिछली सरकार ने इस रिपोर्ट को रोककर रखा था। इसे सदन में नहीं रखा। उन्होंने संविधान का खुलेआम उल्लंघन किया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। पॉलिसी कमजोर थी और लाइसेंस प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। एक्सपर्ट पैनल ने पॉलिसी में कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, जिन्हें तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया। इससे पहले सदन में विपक्षी पार्टी आप ने सीएम हाउस में भगत सिंह और अंबेडकर की तस्वीरों के मुद्दे पर हंगामा किया। एलजी वीके सक्सेना जब भाषण दे रहे थे, तब आप विधायकों ने मोदी-मोदी की नारेबाजी की। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत 21 आप विधायकों को 3 मार्च तक के लिए सस्पेंड कर दिया गया। सदन से बाहर आने के बाद आतिशी ने कहा कि सीएम हाउस से भगत सिंह और अंबेडकर की तस्वीरें क्यों हटाई गईं। क्या पीएम मोदी बाबा साहेब अंबेडकर से भी बड़े हैं। उन्होंने कहा कि आप सरकार के समय हर सरकारी दफ्तर में भगत सिंह और अंबेडकर की फोटो लगाई गई थी। विधानसभा में आबकारी ऑडिट रिपोर्ट पेश की गई। इसके सात अध्याय 2017-21 की आबकारी नीति पर हैं। एक अध्याय नई आबकारी नीति पर है। दिल्ली सरकार ने पुरानी आबकारी नीति की खामियों और भ्रष्टाचार को दिल्ली की जनता के सामने उजागर किया था। उस नीति के तहत हरियाणा और यूपी से अवैध रूप से शराब लाई जाती थी।

राजस्थान में गर्मी बढ़ेगी, फिर बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र और गुजरात में गर्मी का यलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक मुंबई और आसपास के इलाकों में मंगलवार और बुधवार को हीटवेव यानी भारी गर्मी पड़ सकती है। तापमान 37 से 38 डिग्री तक जाएगा। यह सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 4 दिनों में 11 राज्यों में गर्मी बढ़ेगी। इनमें महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, दादरा नगर हवेली, दमन एवं दीव के अलावा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। दिल्ली का तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है।

सिख विरोधी दंगे : सज्जन कुमार को आजीवन कारावास

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने 1984 में सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार इलाके में दो व्यक्तियों की हत्या से संबंधित एक मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। एमपी/एमएलए मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकील की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश सुनाया। अदालत ने 12 फरवरी को सज्जन कुमार को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दंडनीय अपराधों के लिए दोषी ठहराया था। सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुनाने के लिए मामले को 25 फरवरी के लिए सूचीबद्ध कर दिया था। वर्तमान मामला तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके दो सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में हुए व्यापक सिख विरोधी दंगों के कई उदाहरणों में से एक से संबंधित है। दंगों में, देश के विभिन्न हिस्सों में हजारों सिखों की निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई, उनके घरों और दुकानों को जला दिया गया और उनके सामान लूट लिये गये। इसी दौरान दिल्ली के राज नगर निवासी एस. जसवंत सिंह और उनके बेटे एस. तरुणदीप सिंह की हजारों लोगों की एक अनियंत्रित भीड़ ने हत्या कर दी थी। अभियोजन पक्ष का कहना है कि आरोपी सज्जन कुमार भीड़ का नेतृत्व कर रहे थे और उनके उकसावे पर ही भीड़ ने जसवंत सिंह और तरुणदीप सिंह को जिंदा जला दिया।

प्रेमिका और परिवार के 4 लोगों की हत्या, मां गंभीर

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के तिरुवनंतपुरम के वेंजारामूडू में सोमवार शाम 23 साल के युवक ने 5 लोगों की हत्या कर दी। आरोपी ने अपनी प्रेमिका, भाई, दादी, चाचा और चाची की चाकू-हथौड़ा से बेरहमी से हत्या की। इसके बाद आरोपी ने मां पर हमला कर उन्हें भी मारने की कोशिश की। युवक ने पूरी प्लानिंग के साथ तीन अलग-अलग जगह पर घटना को अंजाम दिया। थाने में आरोपी ने बताया कि उसने अपनी मां, प्रेमिका समेत 6 लोगों की हत्या की है। आरोपी का नाम अफ्फान है। पुलिस ने अब तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जिसमें आरोपी का भाई अहसन, दादी सलमा बीवी, चाचा लतीफ, चाची शाहिदा और उसकी प्रेमिका फरशाना शामिल हैं।

यूपी अपर कामाख्या क्रिकेट लीग के फाइनल में

➩ फाइनल मैच में आज चंडीगढ़ चैंपियन से खिताबी मुकाबला

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नोयडा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ अंडमान निकोबार के तत्वाधान में चैंपियन स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट द्वारा नोएडा के अंतराष्ट्रीय क्रिकेट एसोसिएशन में आयोजित कामाख्या क्रिकेट लीग के दूसरे सेमीफाइनल में यूपी अपर ने मुंबई मेरिट को 28 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया जहां कल पहले सेमीफाइनल की विजेता चंडीगढ़ चैंपियंस के साथ खिताबी मुकाबला खेलेगी। आज यूपी अपर के कप्तान बबलू चौधरी ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया फाइनल की पूरी तरह से सार्थक रहा यूपी अपर की टीम 19.3 ओवरों में 173 रन बनाकर आउट हो गई जिसमें सबसे ज्यादा 78 रन सत्यजीत राउत कोहली ने 21 मोहम्मद ओसामा ने 18 और बबलू राणा ने 14 रन का योगदान दिया। मुंबई मेरिट की ओर से हिमांशु एनएससी और सनी ने तीन-तीन विकेट लिए लक्ष्य बूबना ने दो भलाल और आयुष महाजन ने एक-एक विकेट लिया जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की टीम ने पहले ओवर से ही तेज रन बनाने का प्रयास किया जिसका खामियाजा मुंबई के बल्लेबाजों को भुगतना पड़ा एक के बाद एक मुंबई मेरिट के विकेट आउट होते गए और टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर केवल 145 रन ही बना पाई जिसमें आयुष चंद्र 38 भलाल 35 हिमांशु से 20 सनी 17 रन का योगदान रहा, यूपी अपर के सत्यजीत राउत और वाहिद ने तीन-तीन मोहम्मद ओसामा और बबलू चौधरी ने एक-एक विकेट लिया। मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार सत्यजीत राउत को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विवेक अग्रवाल, अभिमन्यु अग्रवाल और राजन नगालिया के हाथों दिया गया। इस अवसर पर कामाख्या क्रिकेट लीग के अध्यक्ष डॉक्टर शमीम खान, एडवोकेट बिलाल अहमद खान, विकास शर्मा, डॉ मनोज अग्रवाल, डीआर जुबैर, सनम खान, एडवोकेट रबाब खान, डायरेक्टर लीग हारून रशीद, प्रदीप कुमार बूबना, मोहम्मद खादिर खान, फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर काजल गोयल, शबनम खान परी के अलावा कॉमेंटेटर इरफान भट्ट, मोहम्मद शीष, अंपायर जितेंद्र गुप्ता, नूर मोहम्मद, मोहम्मद रफी, मैच रेफरी मोहम्मद इब्राहिम आदि उपस्थित थे।

साबलपुर में रिटायर बीसीसीएलकर्मी के घर से 35 लाख की चोरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। गोविंदपुर थाना अंतर्गत साबलपुर कोवाकुल्ही निवासी बीसीसीएल के रिटायर कर्मी जयप्रकाश सिंह व उनके पुत्र धनबाद पब्लिक स्कूल के स्पोर्ट्स टीचर पंकज कुमार के आवास का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी व जेवरात समेत 35 लाख की संपति की चोरी कर ली. घटना के समय घर में कोई नहीं था. घर के सभी सदस्य कुंभ स्नान करने प्रयागराज गये थे. रविवार की रात को जब घर के सभी सदस्य लौटे, तो घटना का पता चला. रविवार की रात 11:30 बजे सूचना पर गोविंदपुर पुलिस पहुंची और घटना की जानकारी ली. पंकज के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, पंकज कुमार अपनी पत्नी पल्लवी व बच्चों के साथ शुक्रवार को प्रयागराज गये थे. उस समय उनके घर में उनके बहनोई कृष्ण कुमार कन्हैया व बहन रूबी सिंह बच्चों के साथ थे. शनिवार शाम को ये लोग भी घर में ताला लगाकर लखीसराय रवाना हो गये. इसी दौरान मौका पाकर चोरों ने घटना को अंजाम दिया, चोर चहारदीवारी पार कर अंदर घुसे और ग्रिल तथा दरवाजा में लगा ताला को तोड़ कर चोरी की. गृह स्वामी पंकज कुमार के अनुसार घर का मुख्य दरवाजा व अंदर के दो कमरों का दरवाजा टूटा था, अलमारी भी टूटी हुई थी. घर के सभी सामान इधर-उधर बिखरे पड़े थे,

अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संशोधन एक्ट के विरोध में किया जोरदार प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

सेवराई। तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संशोधन एक्ट के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने इस एक्ट के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध प्रकट किया और न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए अपनी आक्रोश की अभिव्यक्ति दी। अधिवक्ताओं का कहना था कि अधिवक्ता संशोधन एक्ट उनके पेशेवर अधिकारों और स्वतंत्रता के खिलाफ है, और यह कानून अधिवक्ताओं के लिए न केवल अव्यवस्थित है, बल्कि उनके कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप भी करता है। वे इस कानून को तुरंत निरस्त करने की मांग कर रहे हैं, ताकि अधिवक्ताओं के पेशेवर अधिकारों की रक्षा की जा सके। इस दौरान, सभी अधिवक्ता एकजुट होकर तहसील परिसर में एकजुट रहे और अपने विरोध प्रदर्शन के माध्यम से राज्य सरकार से इस कानून को पुनः विचारने की अपील की। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस प्रकार के कानूनों से न्यायिक प्रणाली में असंतुलन पैदा हो सकता है। प्रदर्शन के बाद, सभी अधिवक्ता एकजुट होकर न्यायिक कार्य से विरत रहने की घोषणा करते हुए इस मुद्दे पर आगामी कार्रवाई के लिए निर्णय लेंगे। इस मौके पर अय्याज खां, सुमन्त सिंह कुशवाहा, अजय राय,मनोज पांडेय, अशोक सिंह, शकील खां, बृजेश यादव, मोहनलाल चौधरी, हैदर खां, जितेंद्र उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे।

आमजन परेशान बीच सड़क पर लगा दिया निर्माण सामग्री का ढेर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। नगर में कई स्थानों पर भवन निर्माताओं और दुकानदारों द्वारा सड़क पर ही रेत, गिट्टी, ईंट, सरिया व अन्य सामग्री रखकर भवन निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिससे न सिर्फ यातायात बाधित हो रहा है बल्कि दुर्घटना की आशंका भी रहती है। वहीं इसके लिए नगर पालिका द्वारा कार्रवाई का प्रावधान है। लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही है। नगर सहित कई कॉलोनियों में सड़क पर जगह-जगह फैली भवन निर्माण सामग्री लोगों के लिए यातायात में बाधक बनी हुई है। जगह-जगह रेत के ढेर होने के कारण पैदल और दो पहिया वाहन एवं चार पहिया वाहनों को निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है, नतीजा लोग बेरोकटोक मनमानी कर रहे हैं। आम रास्तों पर जगह-जगह फैली निर्माण सामग्री की वजह से एक तरफ दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वहीं दूसरी तरफ गिट्टी और रेत की वजह से सड़क भी खराब हो रही है। इन रास्तों से वाहन निकालते वक्त गिट्टी आदि के उचट कर कहीं लगने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा बाइक स्लिप होने का डर भी बना रहता है। वही मेन रोड पर भारी वाहनों के निकलने से ट्रैफिक के दबाव की वजह से सड़क भी खराब होती है। बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सैदपुर नगर की सड़कों पर घूमते छुट्टा जानवर गोशाला से ज्यादा सड़कों पर हैं जानवर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

सैदपुर। प्रदेश सरकार के आदेश पर भले ही छुट्टा पशुओं से राहत दिलाने के लिए क्षेत्र में जगह-जगह गोशालाओं का निर्माण कराया गया है। लेकिन इसकी हकीकत कुछ और ही है। हालात यह है कि गोशालाओं से ज्यादा छुट्टा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं। वह न सिर्फ फसलें बर्बाद कर रहे हैं बल्कि लोगों की जान भी ले रहे हैं। इसके बावजूद न तो नगर पंचायत और न ही पशुपालन विभाग इनको गंभीरता से नहीं ले रहा है। नगर से लेकर ग्रामीण बाजारों में छुट्टा पशु बेखौफ घूम रहे हैं। जिससे आये दिन कोई न कोई राहगीर इनके चपेट में आने पर घायल रहे हैं। नगर के मुख्य बाजार, वाराणसी-गाज़ीपुर मेन रोड, सब्जी मण्डी, रामकरन सेतु, रेलवे क्रॉसिंग, जौहरगंज शमशान घाट, औड़ीहार हाइवे, सैदपुर पोखरा मोड़, रावल मोड़, मिर्जापुर गांव समेत ग्रामीण अचंलों आदि जगहो पर छुट्टा पशु अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही से कब्जा जमाये हुए हैं।

ट्रक को ओवरटेक करने में गयी युवक की जान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के अनौनी बाजार के पास स्थित निठुरी मोड़ के पास सैदपुर की तरफ से आ रहे और सौना की तरफ जा रहे 30 वर्षीय युवक की ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। कृष्णानगर थाना चंदवक जौनपुर निवासी 30 वर्षीय युवक ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में वह दुर्घटना ग्रस्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविंद्र यादव पुत्र राधेश्याम यादव निवासी कृष्णनगर थाना चंदवक सैदपुर की तरफ से अनौनी बाजार की तरफ आ रहा था। युवक को सौना गांव में अपने रिश्तेदारी में हुए मृत्यु में दाह संस्कार में भाग लेने जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक ट्रक को ओवरटेक कर रहा था उसी समय उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह ट्रक के नीचे आ गया। इस दुर्घटना में बाइक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होते ही आसपास लोगों की भारी भीड़ लग गई। किसी ने घटना की जानकारी थानाध्यक्ष खानपुर को दिया। दुर्घटना की जानकारी होते ही थानाध्यक्ष खानपुर अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया।

पैरा खिलाड़ियों के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से संकल्पबद्ध- बृजेश पाठक

➲ खिलाड़ियों के उत्थान के लिए हर जिले में उच्च स्तरीय स्टेडियम बनाया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मंगलवार को इंडियन बैंक राष्ट्रीय पैरा जूडो के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए कहा कि पैरा खिलाड़ियों के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के उत्थान के लिए हमारी सरकार ने हर जिले में उच्च स्तरीय स्टेडियम का निर्माण कराया है। बता दें कि लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी बहुद्देशीये हॉल में 13वें इण्डियन बैंक राष्ट्रीय पैरा जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडू, तेलंगाना, मिजोरम, पंजाब, जम्मू एण्ड कश्मीर, उत्तराखण्ड, बिहार, प्रदेशो के लगभग 400 पैरा जूडोका प्रतिभाग कर रहे हैं। यूपी ब्लाइंड एण्ड पैरा जूडो एसोसिएशन द्वारा इण्डियन ब्लाइंड एण्ड पैरा जूडो एसोसिएशन के तत्वाधान में 28 फरवरी 2025 तक यह प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर सुधीर कुमार गुप्ता, चीफ जनरल मैनेजर, इण्डियन बैंक, इण्डियन ब्लाइंड एण्ड पैरा जूडो एसोसिएशन के चेयरमैन, अवनीश कुमार अवस्थी; अध्यक्ष, मुकेश कुमार मेश्राम; महासचिव, मुनव्वर अंज़ार एवं यूपी ब्लाइंड एण्ड पैरा जूडो एसोसिएशन के महासचिव सुधीर एस. हलवासिया भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान पैरालम्पियन कांस्य पदक विजेता व एशियन पैरा गेम्स रजत पदक विजेता कपिल परमार एवं पैरालम्पियन प्रतिभागी व एशियन पैरा गेम्स कांस्य पदक विजेता कोकिला को सम्मानित किया गया। मंगलवार को हुए सब जूनियर वर्ग के मुकाबले के परिणाम- सब जूनियर - बालक 30 किग्रा. प्रथम रोहित धाकड़ राजस्थान द्वितीय विषाल सोनी राजस्थान 35 किग्रा. प्रथम उमेश कुमार हरियाणा द्वितीय याम जीत उत्तर प्रदेश 40 किग्रा. प्रथम करीम हैदर तेलंगाना द्वितीय वंश उत्तर प्रदेश तृतीय सानियाद उत्तर प्रदेश तृतीय रोहित राजस्थान 45 किग्रा. प्रथम सोनू यादव उत्तर प्रदेश द्वितीय सुजीत उत्तर प्रदेश तृतीय बंती राम जम्मू एण्ड कश्मीर तृतीय यश सिवाच राजस्थान 50 किग्रा. प्रथम रिंकू गुज्जर मध्य प्रदेश द्वितीय अम्मान खान पंजाब तृतीय भारत राजस्थान तृतीय समीर खान राजस्थान50 किग्रा. प्रथम बी.हरिहरन तेलंगाना द्वितीय सलाउद्दीन राजस्थान तृतीय वी. जीवन तेलंगाना तृतीय अनमोल उत्तर प्रदेश सब जूनियर - बालिका 30 किग्रा. प्रथम लवधा संजय खा महाराष्ट्र द्वितीय रूतुजा लंगोटे महाराष्ट्र 35 किग्रा. प्रथम सविता कर्नाटक द्वितीय के सी यस्षव आन्ध्र प्रदेश

पत्रकार के साथ मारपीट करने वालों की जल्द हो गिरफ्तारी को लेकर एसएसपी धनबाद को सोपे ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिरकुंडा / धनबाद। आज झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन धनबाद इकाई की ओर से वरीय पुलिस अधीक्षक को विज्ञापन सौंपा गया जिसमें मांग किया गया कि, पिछले दिनों आजाद सिपाही के पत्रकार सह संगठन सदस्य संजय कुमार पर कुछ शराब माफियाओं के द्वारा हमला कर दिया गया था। जिसका लिखित शिकायत सराई ढेला थाना में दिया गया। परंतु आज तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्हें यथाशीघ गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई किया जाए। वरिय पुलिस अधीक्षक से मिलने के बाद जिला अध्यक्ष मनीष कुमार झा ने कहा कि ,काफी सकारात्मक बातें रही, वरिय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यथाशीघ्र दोषियों पर कार्रवाई किया जाएगा। वहीं अनेक पत्रकारों का शिकायत रहा है कि, पुलिस के यहां से पत्रकारों को दी जाने वाली सूचनाएं उन्हें नहीं मिलती है ।जबकि अनेक पत्रकार राष्ट्रीय अखबार एवं राष्ट्रीय चैनल में काम करते हैं। वर्तमान में जिन्हें सूचना प्रदान किया जाता है उसमें से अनेक ऐसे हैं, जो सिर्फ यूट्यूब पर अपना समाचार चलाते हैं। उन्हें ना तो आर एन आई है और ना तो चैनल चलाने का अधिकार। इस विषय पर भी बात करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को चाहिए कि सभी को समान दृष्टि से देखें ।यदि यूट्यूबर को आमंत्रित नहीं करना है तो किसी भी यूट्यूब को नहीं करना चाहिए। युटुबर सभी यूट्यूबर ही होते हैं, ऐसा नहीं है आगे पीछे करने वाला खास, और स्वाभिमान से रहने वाले आम होते हैं। इस तरह का भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि भेदभाव किया गया तो उच्च अधिकारियों तक शिकायत किया जाएगा, उससे भी बात नहीं बनी तो हम लोग धरना पर बैठेंगे। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रदेश सचिव रुस्तम मियां, जिला कोषाध्यक्ष सुनील भंडारी, प्रखंड अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा, प्रखंड अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रखंड अध्यक्ष सुमित बर्मन, प्रखंड महासचिव मोहम्मद फारूक, जिला मीडिया प्रभारी कार्तिक गोस्वामी, जिला सचिव लालन मालाकार , संजय कुमार, गुलवंत सलूजा, मुबारक अंसारी, सोनू कुमार, तपन मंडल, प्रखंड महासचिव उमेश विश्वकर्मा, प्रखंड अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, के अलावा अनेक सदस्य मौजूद थे।

धनबाद में जेएमएम ने चलाया सदस्यता अभियान

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। झामुमो महानगर पूर्व प्रवक्ता अकाश रवानी के नेतृत्व मे बैंक मोड धनबाद अंतर्गत गुरुद्वारा खटाल में सदस्यता अभियान चलाया गया तकरीबन 500 से अधिक नए लोगों ने पार्टी पर आस्था रखते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो केन्द्रीय सदस्य सह मीडिया पैनलिस्ट श्रीमती डॉक्टर नीलम मिश्रा उपस्थित हुई। डॉ नीलम मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि झामुमो ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सभी समुदाय को सामान्य दृष्टि से देखने का काम करती है हमारी पार्टी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का चौमुखी विकास चाहती है, शहरी क्षेत्र का जिस प्रकार से भाजपाइयों ने दमन किया है यह जग जाहिर हो चुका है अब शहरी क्षेत्र में झामुमो ही एकमात्र विकल्प बनकर जनता के सामने है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित महानगर समिति के पूर्व अध्यक्ष मंटू चौहान उपाध्यक्ष मिहिर दत्ता, बंटी सिंह, रामू मंडल, कोषाध्यक्ष टिंकू सरकार, बुद्धिजीवी अध्यक्ष राजू प्रमाणिक, महादेव हांसदा, राजेश तुरी उपस्थित थे।

378 जोड़ों का हुआ सामुहिक विवाह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजनान्तर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन आर टी आई मैदान (नवीन स्टेडियम) गाजीपुर में सम्पन्न हुआ। शादी समारोह का शुभारम्भं मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सामुहिक विवाह योजना में कुल 378 जोड़ो का सामुहिक विवाह पूरे विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। सामुहिक विवाह के अवसर पर उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नव विवाहित वर-वधुओं को उनके वैवाहिक जीवन की मंगल कामना करते हुए शुभकामना दी। सामुहिक विवाह में नव दाम्पत्य को विवाह प्रमाण पत्र एवं पौध रोपण हेतु आम वृक्ष का पौधा उनके हाथो में दिया गया। विवाह कार्यक्रम मे मंच से ही मंत्री ओमप्रकाश राजभर के प्रतिनिधि, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक ने संयुक्त रूप से बटन दबाकर 35 हजार रूपये की धनराशि वधुओ के खाते मे हस्तान्तरित किया। परियोजना निदेशक राजेश यादव ने मा. मुख्य मंत्री सामुहिक विवाह योजना की जानकारी देते हुए कहा कि आज जनपद के समस्त ब्लाकों से चयनित 378 जोड़ो का विवाह पूरे विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ है। उन्होने शादी समारोह में आये हुए वर एवं वधु के परिजनो के प्रति भी शुभकामना व्यक्त की। कहा कि इस योजना के अन्तर्गत 51 हजार की धनराशि प्रदान किया जा रहा है जिसमें 35 हजार रूपये वधु के खाते में तथा 10 हजार रूपये के उपहार एवं 6 हजार शादी समारोह के आयोजन के लिए दिया जा रहा है।

251 मंगल कलश शोभा यात्रा के साथ मैथन में चौबीस कुण्डीय गायत्री महायज्ञ हुआ प्रारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिरकुंडा / धनबाद । मैथन स्थित रांची कॉलोनी में चौबीस कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की विधिवत शुरुआत मंगलवार को भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ शुरू हो गया है। प्रातः से ही श्रद्धालु रांची कॉलोनी के गायत्री प्रज्ञा मंडल के प्रांगण में एकत्रित हुए उसके पश्चात सभी महिलाओं ने अपने माथे पर मंगल कलश एव गुरुदेव बांग्यमय को लेकर नगर भ्रमण को निकल पड़े,गाजे बाजे एव ढोल नगाड़ों के साथ नाचते गाते सभी गायत्री मंत्र ? भूर्भुवः स्वः का नारा लगाते मैथन गोग़ना छठ घाट पहुंची जहा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जल पात्र में पवित्र जल भरकर वापस रांची कॉलोनी यज्ञ स्थल पहुंची। पुरे रास्ते में पेयजल शरबत की सम्पूर्ण व्यस्था की गई थी।सभी के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।बताते चले कि मैथन में यह पहला चौबीस कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत हुई है इसके पूर्व चौबीस कुण्डीय गायत्री यज्ञ मैथन में आयोजन नहीं की गई है और यह 28 फरवरी तक चलेगी। प्रत्येक दिन अलग अलग कार्यक्रम होगा, 26 फरवरी को प्रातःहवन और संध्या प्रवचन कि जायेगा, 27 फरवरी प्रातः से ही गायत्री महायज्ञ, हवन ,दीक्षा आदि विविध संस्कार और संध्या को भव्य दीप यज्ञ का आयोजन की जायेगी,28 फरवरी प्रातः महायज्ञ की पूर्णाहुति समापन समारोह एव शांतिकुंज हरिद्वार से आए टोली की विदाई एव भव्य भंडारा का आयोजन की जायेगी।इस मौके पर मुख्य रूप से गायत्री परिवार के विभूति शरण सिंह ,अशोक कुमार पाठक,अक्षय कुमार राम,संजय शर्मा,पिंटू साव,सतीश साह,मनोज साह,लक्ष्मण सिंह,मनोज वर्मा,रामअवतार शास्त्री,वैद्यनाथ राय,सुदेश सिंह,अजीत कुमार,कृष्ण मुरारी सिंह,ऊषा कुमारी पाण्डे, स्वाती पांडे,प्रत्यूष पाण्डे,ऋतु कुमारी,अनिता पाठक,सहित सैकड़ो की संख्या में गायत्री परिवार के सदस्य एव श्रद्धालु उपस्थित थे।

रोडवेज बसों में प्राथमिक इलाज का भी इंतजाम नहीं

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। यात्रियों को सुविधा और सुरक्षित यात्रा करवाने के उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन गाजीपुर डिपो की रोडवेज बसों में फर्स्ट एड किट तो दूर उनके बॉक्स तक गायब हैं। अग्निशमन यंत्र कब ठीक किए और कितने समय के लिए वैलिड है इसकी तिथि तक दर्ज नहीं। ऐसे में अगर कोई हादसा होता है तो यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। गाजीपुर डिपो से करीब 70 बसों का संचालन होता है। जिसमें हर रोज छह से आठ हजार यात्री सफर करते हैं। इसमें से कई बसों में यात्रियों की सुविधा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। कई बसों में फर्स्ट एड किट तो दूर उनके बॉक्स तक गायब हैं। अगर किसी बस में फर्स्ट एड बॉक्स मिल जाता है तो उसमें दवाइयों की तिथि भी एक्सपायरी होती है। कई बसों में अग्निशमन यंत्र गायब हैं। जिन बसों में यंत्र लगे हैं, उन पर तिथि तक अंकित नहीं है। वह कब भरे गए थे और कब तक उनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके बावजूद विभाग की ओर इसकी जांच तक नहीं की गई है। निगम की ओर से बरती जा रही लापरवाही यात्रियों की जान जोखिम में भी डाल सकती है। सात से आठ लाख तक होती आय गाजीपुर डिपो में बसें किलोमीटर स्कीम के तहत चलाई जा रही है। इनमें से कई बसों में भी यात्रियों की सुविधा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। वहीं अगर रोडवेज की आमदनी की बात करते तो रोजाना निगम को सात से आठ लाख रुपये तक की आय होती है। पंचर होने पर बस खड़ी करना है मजबूरी परिवहन निगम अधिकारियों के रवैये से चालक व परिचालक परेशान हैं। चालकों ने बताया कि रोडवेज की 50 प्रतिशत बसों में स्टेपनी व टूल किट नहीं है। ज्यादातर बसों में अग्निशमन यंत्र और फर्स्ट एड बाक्स लगे हुए हैं, जिन बसों में नहीं हैं, उनमें जल्द लगवा दिया जाएगा। हालांकि जब चालक और परिचालक बसों को लेकर निकलते है तो उन्हें निगम की ओर से डिपो पर फर्स्ट एड बाक्स के जगह पर पैकेट में दवाएं दी जाती हैं। एआरएम गाजीपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में किया एडवांटेज असम 2.0 का उद्घाटन किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे । कल शाम को असम पधारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भव्य स्वागत करते हुए गुवाहाटी के सरूसजाई स्टेडियम में आयोजित झुमुर बिनंदिनी कार्यक्रम में ले जाया गया जहां प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री के उपस्थिति में कल चाय समुदाय के प्रमुख नृत्य झुमूर ने असम में आयोजित झुमूर बिनंदिनी कार्यक्रम के जरिए करीब नो हजार नृत्यांगना को एक साथ नचाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। कल के कार्यक्रम के बाद आज मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के खानापारा में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट समिट 2025 का उद्घाटन किया। जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मोदी को सेमीकंडक्टर चिप्स से निर्मित एक सींग वाले गैंडे का स्मृति चिन्ह भेंट किया, जो राज्य की परंपरा से प्रौद्योगिकी तक की यात्रा का एक अद्भुत रूपक है, तथा एक प्रतीकात्मक क्षण को चिह्नित करता है। आज इस अवसर पर भारत के उद्योगपति गौतम अडानी, मुकेश अंबानी, अनिल अग्रवाल और एन चंद्रशेखरन जैसे उद्योग जगत के हस्तियों ने मंच संभाला और राज्य के लिए अपनी महत्वाकांक्षी निवेश योजनाओं को साझा किया। गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 के उद्घाटन सत्र के दौरान अपने संबोधन में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य के परिवर्तन के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में, असम भारत के सबसे शांतिपूर्ण राज्य के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आवश्यक बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का श्रेय पीएम मोदी को दिया। अपने भाषण में, पीएम मोदी ने स्टार्टअप हब के रूप में असम के विकास पर प्रकाश डाला और पूर्वोत्तर भारत में विनिर्माण में राज्य के भविष्य के प्रभुत्व की भविष्यवाणी की। उन्होंने कहा कि जब 2018 में एडवांटेज असम पहली बार शुरू हुआ था, तब असम की अर्थव्यवस्था 2.45 लाख करोड़ रुपये की थी। आज, भाजपा शासन में, राज्य की अर्थव्यवस्था दोगुनी होकर 6 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो 'डबल इंजन' सरकार के प्रभाव को दर्शाता है। एडवांटेज असम 2.0 के शुभारंभ के दौरान आगे बोलते हुए, प्रधान मंत्री ने 2030 तक असम की अर्थव्यवस्था को 147 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने के लिए अपनी सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया, इसे पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया दोनों के लिए प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित किया। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं को एनई ट्रांसफॉर्मेटिव इंडस्ट्रियलाइजेशन स्कीम (उन्नति) का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। रेलवे निवेश, पूर्वोत्तर में पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन, बेहतर हवाई संपर्क और मजबूत कानून व्यवस्था जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ÷बुनियादी ढांचा, कनेक्टिविटी और व्यापार करने में आसानी हमारी प्राथमिकताएं हैं।÷ बता दे कि आज के इस अवसर पर भारत के सबसे बड़े उद्योगपति में दो मुकेश अंबानी और गौतम अडानी दोनों ने असम में 50000 - 50000 हजार करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की।

दफ्तर में दलालों के प्रवेश पर लगी रोक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वृंदावन स्थित आवास विकास के कार्यालय में पीड़ितों से ज्यादा दलालों की आवाजाही रहती है। लिपिकों की सीट के आसपास दलाल बैठे रहते हैं और पीड़ित भटकते रहते हैं। शिकायतें अफसरों के पास पहुंचीं तो कार्यालय में दलालों के प्रवेश पर रोक का नोटिस चस्पा कर दिया गया। संपत्ति अधिकारी आनंद कुमार का कहना है कि अफसरों के निर्देश पर नोटिस चस्पा किया गया है।

रवीन्द्रालय चारबाग में किताबों का मेला पहली मार्च से बाल साहित्य थीम भरेगी पुस्तक प्रेमियों में उत्साह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। रवीन्द्रालय चारबाग लान में पहली मार्च से प्रारम्भ होने वाला नौ दिवसीय लखनऊ पुस्तक मेला इस बार अलग रंग में दिखेगा। इस वर्ष मेले की थीम बाल साहित्य रखी गयी है। मुफ़्त प्रवेश वाले किताबों के इस मेले में जहां पुस्तक विमोचन होंगे वहीं अनेक आयोजनों के बीच विविधता भरे काव्य समारोहों और अध्यात्मिक व अन्य नाट्य, नृत्य आदि सांस्कृतिक समारोहों का क्रम लगातार चलेगा। सब गोलमाल है जैसे नाटकों के मंचन के साथ महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम होंगे। आयोजक मनोज सिंह चंदेल ने बताया कि ये दौर भारतीय संस्कृति और कलाओं का पुनर्जागरण काल का है। हाल में दिल्ली में सम्पन्न विश्व पुस्तक मेले में उमड़ी भीड़ और गतिविधियों से भी हम उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि नौ मार्च तक चलने वाले मेले का उद्घाटन मध्याह्न 12 बजे होगा। मेले को मेट्रो रेल का सहयोग मिल रहा है। नई टेक्नालॉजी से छपी पुस्तकों के साथ मेले में डिजिटल टेक्नालॉजी से जुड़े प्रकाशन उत्पाद देखने को

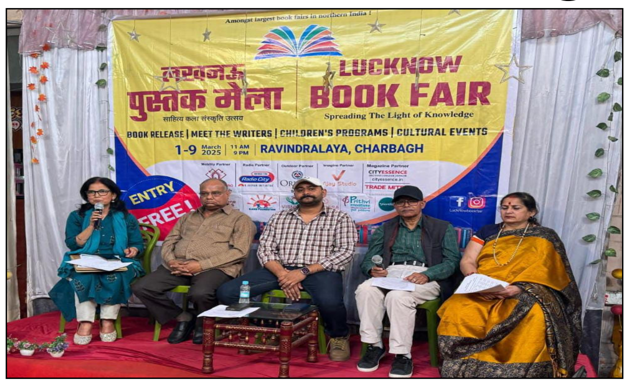

मिलेंगे साथ ही स्टेशनरी, शिक्षकों, स्कूलों के लिए उपयोगी सामग्री के स्टाल होंगे। इस मेले में बहुत से नये प्रकाशक अपने साहित्य के साथ 10 हज़ार स्क्वायर फिट वाटर प्रूफ पंडाल में स्टाल होंगे। मुख्य प्रकाशकों और भागीदार के तौर पर सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन नई दिल्ली, शुभी पब्लिकेशंस गुरुग्राम, हिन्द युग्म गौतमबुद्ध नगर, जैको पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, चिल्ड्रेन बुक ट्रस्ट नई दिल्ली, प्रकाशन विभाग सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, निखिल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स आगरा, भारतीय कला प्रकाशन दिल्ली, दिव्यांश पब्लिकेशंस लखनऊ, पद्म बुक कंपनी दिल्ली, रितेश बुक एजेंसी नई दिल्ली, बीइंग बुकिश लखनऊ, याशिका एंटरप्राइज दिल्ली, एंजेल बुक हाउस रायपुर, यूनिवर्सल बुक स्टोर दिल्ली, नवपल्लव बुक, बहुजन साहित्य केंद्र, त्रिदेव बुक्स कलेक्शंस नई दिल्ली, देव बुक कलेक्शन, दिल्ली, एजुकेशनल एंड साइंटिफिक एड्स, रामकृष्ण मठ, योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इंडिया रांची, श्रीकबीर ज्ञान प्रकाशन केंद्र गिरिडीह, विलायत पब्लिकेशंस दिल्ली, आदित्रि बुक सेंटर दिल्ली, एक्यूप्रेशर हेल्थ केयर सिस्टम्स, एच जूट बैग कोलकता, कन्नौज हेरिटेज, एस्केलरा टेक्नोलॉजी इत्यादि हैं। लगभग अस्सी स्टालों से यह पुस्तक मेला सजेगा। बाल साहित्य और पुस्तकों को समर्पित मेले में मंच पर पुस्तक विमोचन, साहित्य चर्चा, काव्य पाठ, कहानी वाचन, सहित बच्चों एवम युवाओं के कार्यक्रम और नाटकों का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र होंगे। उद्घाटन समारोह, लेखक से मिलिए, पुस्तक विमोचन, युवा कार्यक्रम, कवि सम्मेलन मुशायरा सांस्कृतिक आयोजनों के लिए लगभग पांच हज़ार स्क्वायर फीट का पाण्डाल लगाया जा रहा है। मेला निदेशक आकर्ष चंदेल ने बताया कि मेले में कवि सम्मेलन- मुशायरे का आनन्द लेने के साथ लोगों को लेखकों-कवियों के साथ बात करने के मौके मिलेंगे ही साथ ही पुस्तक प्रेमियों के लिए बुक लवर्स लाउंज भी होगा। स्थानीय लेखकों की पुस्तकों के लिए भी एक स्टाल होगा। मेले के बारे में सह संयोजक व उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ पदाधिकारी टीपी हवेलिया ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात नौ बजे तक जारी रहने वाले और एकदम फ्री इण्ट्री वाले इस मेले में जहां इस पुस्तक मेले में किताबों पर न्यूनतम 10 प्रतिशत तक छूट हर खरीदार को मिलेगी वहीं पुस्तक प्रेमियों को बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा। मेले में पार्किंग की समुचित व्यवस्था रहेगी। फोर्स वन बुक्स के साथ यूपीएमआरसी लखनऊ मेट्रो, रेडियो सिटी, ओरिजिंस, विजय स्टूडियो, ज्वाइन हैण्ड्स फाउण्डेशन, लोकआंगन, विश्वम फाउंडेशन, समग्र एंटरप्राइज़ेज, पृथ्वी इनोवेशन, किरन फाउंडेशन, सिटी एसेंस, ट्रेड मित्र, प्लांटिलो आदि के सहयोग से हो रहे मेले के बारे में ज्योति किरन रतन ने बताया कि विद्यार्थियों को पुस्तकों के प्रति लगाव पैदा करने के मकसद से शहर भर के अनेक स्कूल-कालेजों के विद्यार्थियों को मेले में आमंत्रित किया जा रहा है। यहां उनके विभिन्न कार्यक्रम भी और प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा।

बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के आवाहन पर सरोजिनी नगर बार एसोसिएशन ने जोरदार धरना प्रदर्शन किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजिनीनगर। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के आवाहन पर कार्यकारिणी की बैठक की जोरदार धरना प्रदर्शन किया. कार्यकारिणी की बैठक में राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष सरोजनीनगर बार एसो. लखनऊ की अध्यक्षता में एवं गोविन्द्र प्रताप शुक्ला एडवोकेट महामंत्री सरोजनीनगर बार एसो. लखनऊ के संचालन में सम्पन्न हुई बैठक सरोजिनी नगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया भारत सरकार द्वारा वकीलों के विरोध में नया काला कानून बनाया गया है यह हित में नहीं है अध्यक्ष ने कहा जब तक सरकार इस काले कानून को वापस नहीं लेती है तब तक हम लोग धरना प्रदर्शन जारी रखेंगे और भूख हड़ताल पर बैठेंगे. अधिवक्ता अधिनियम 1961 में संशोधन कर नया कानून लाने की तैयारी की जा रही है और अधिवक्ता संशोधन बिल का ड्राफ्ट बनाया गया है और उक्त बिल पास होकर कानून में तब्दील हो जायेगा जो अधिवक्ता हितों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है। तथा जो अधिवक्ता के व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन करता है उसका प्रस्तावित संशोधन बिल से भविष्य में बार कांउसिल ऑफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज व समस्त बार एसो.

एवं अधिवक्ताओं की मौलिक स्वतंत्रता एकता व अखंडता को खण्डित करने तथा दमन करने के आशय को परिलक्षित करता है प्रस्तावित अधिवक्ता बिल 2025 को सरोजनीनगर बार एसी. के समस्त अधिवक्ता विशेष प्रदर्शित करते है। सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया है कि अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 के विरोध में शुक्रवार के दिन सरोजनीनगर बार एसो. लखनऊ समस्त अधिवक्तागण न्यायिक कार्य से पूर्ण रूप से विरत रहेगा. सरोजिनी नगर बार एसोसिएशन के महामंत्री गोविंद प्रताप शुक्ला ने बताया कि अगर सरकार अधिवक्ताओं के हितों के लिए बिल में संशोधन नहीं करेगी तो हम सभी अधिवक्ता साथी आगे की रणनीति करेंगे. उन्होंने बताया देश के सभी अधिवक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. बैठक में मोहनलालगंज अध्यक्ष रोहित कुमार सिंह, अमित प्रताप सिंह, राजेश कुमार सिंह, संजय तिवारी, विवेक कुमार सिंह, सचिन जायसवाल, समर सेन, गुलबीर सिंह, खुर्शीद अहमद, एच आर रहमान, देवेंद्र कुमार, ललित मोहन ओम प्रकाश सिंह अंकुश निर्मल मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र तिवारी अविनाश कुमार ओझा प्रवक्ता आदि अधिवक्तागण काफी संख्या में उपस्थित रहे.

दिन के उजाले में चोरी करने वाले गिरफ्तार, लाखों के जेवर नगदी बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जो दिन के उजाले में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। एसीपी चौक, राजकुमार सिंह ने एक प्रेस वार्ता में इन चोरों का पर्दाफाश किया। गिरफ्तार चोरों में सूरज कश्यप (24 वर्ष), निवासी फतेहपुर, और रिषभ तिवारी (23 वर्ष), निवासी ठाकुरगंज शामिल हैं। इन दोनों अभियुक्तों के पास चोरी के आभूषण, नगदी (29,200 रुपये) और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल समेत कई अन्य सामान बरामद किए गए इस कार्रवाई की शुरुआत वादी मुकेश तिवारी, अशोक कुमार गुप्ता और दानिश अब्बास की तहरीर पर हुई थी, जिन्होंने घर के ताले तोड़कर नगदी और जेवरात चोरी किए जाने की शिकायत की थी। पुलिस ने तहरीरों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए इन शातिर चोरों को पकड़ लिया। इसके अलावा, पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि इन दोनों अभियुक्तों ने थाना सआदतगंज क्षेत्र में भी चोरी की थी, और वहां से संबंधित नगदी भी बरामद की गई। अभियुक्तों से चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त हथौड़ी और लोहे की सब्बल भी बरामद की गई, जिसका इस्तेमाल ताले और लॉकर तोड़ने के लिए किया गया था। इन अपराधियों के खिलाफ कई थाना क्षेत्रों में पहले से भी चोरी, लूट और अन्य आपराधिक मामलों की शिकायतें दर्ज हैं एसीपी चौक राजकुमार सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान इस कार्रवाई का खुलासा किया और बताया कि यह पुलिस की मजबूत प्रयासों का एक उदाहरण है, जो जनता की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

रमजान का महीना इंसान के गुनाहों की माफी का सबसे अच्छा माध्यम-मौलाना मौलाना सैयद सैफ अब्बास नकवी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। रमज़ान के महत्व पर मौलाना सैय्यद सैफ अब्बास नकवी का यह बयान इस महीने की आध्यात्मिकता और आत्मशुद्धि के बारे में गहरी सोच को दर्शाता है। उनका कहना है कि रमज़ान एक अवसर है, जब मुसलमानों को अपनी गलतियों और पापों से तौबा करने और अल्लाह की रहमत और दया का लाभ उठाने का मौका मिलता है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि रमज़ान में केवल उपवास रखने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने दिल और दिमाग को शुद्ध करें और अपने कर्मों में सुधार लाएं, ताकि हम अपने इमाम (अ.स.) के सामने सही मायने में आदर्श बन सकें। मौलाना ने इस महीने को एक अवसर के रूप में प्रस्तुत किया है, जहां हम न केवल उपवास करें बल्कि अपने आचरण, सोच और व्यवहार को सुधारने का भी प्रयास करें। उनका कहना है कि रमज़ान का असली उद्देश्य हमारी आत्मा को शुद्ध करना और अल्लाह के करीब जाना है, जो केवल उपवास से नहीं, बल्कि कुरान की तिलावत, प्रार्थनाओं, और अच्छे कर्मों के माध्यम से संभव है। इसके अलावा, मौलाना ने यह भी कहा कि रमज़ान में जरूरतमंदों और गरीबों की मदद करना, मुहम्मद (स.अ.व.) और उनके परिवार पर सलावत भेजना, और कुरान की शिक्षा को समझना बेहद महत्वपूर्ण है। इस महीने में हम अपने आहार और जल का त्याग करते हैं, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि हम अपने सभी इंद्रियों-जैसे कि आंखों, कानों और जीभ-को संयमित करें और केवल शारीरिक उपवास न रखें, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक उपवास भी रखें।

अनिल दूबे राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव एंव अभिनय चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा राष्ट्रीय लोकदल) नियुक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह द्वारा घोषित नवीन राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अनिल दूबे, डॉ यशपाल बघेल, चंदन चौहान को राष्ट्रीय महासचिव एवं अभिनय चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा राष्ट्रीय लोकदल) नियुक्त किए गये। पूर्व नगर अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल, उमर अली ने इस अवसर पर पुष्पगुच्छ भेंट कर अनिल दूबे को बधाई दी एवं उज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान नूर मोहम्मद, शाबान ,एवं एजाज अहमद भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कहा कि अनिल दूबे जी को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाइयाँ दीं। यह नियुक्ति संगठन को मजबूती प्रदान करेगी और राष्ट्रीय लोकदल को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगी। उपस्थित जनो ने अनिल दूबे को शुभकामनाएँ एवं उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं ।

करतारपुर साहिब में सरोजनीनगर के 41 सिख श्रद्धालुओं ने किए पावन दर्शन: एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार का दिन न केवल सरोजनीनगर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवशाली, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रूप से अभूतपूर्व रहा। सरोजनीनगर के 41 सिख श्रद्धालुओं ने अटारी-वाघा बॉर्डर पार कर पाकिस्तान स्थित पवित्र करतारपुर साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेका और गुरु नानक देव जी की चरण रज प्राप्त कर अपने जीवन की एक अधूरी इच्छा को पूर्ण किया। यह यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था और भक्ति का सजीव प्रमाण बनी, जिसमें हर श्रद्धालु की आंखें श्रद्धा और कृतज्ञता से छलक रही थीं। इस पावन तीर्थयात्रा का सपना सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह जी की अथक संकल्पशक्ति और दूरदृष्टि के कारण साकार हो सका। वर्षों से सिख समाज की यह आकांक्षा थी कि उन्हें करतारपुर साहिब के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो। इस भावना को आत्मसात करते हुए, डॉ. सिंह जी ने %अमृतसर-करतारपुर तीर्थयात्रा% की भव्य योजना बनाई और इसे क्रियान्वित किया। उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि सरोजनीनगर के श्रद्धालुओं को न केवल अमृतसर के पवित्र स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने, बल्कि पाकिस्तान स्थित सिख आस्था की धरोहर, श्री करतारपुर साहिब के दर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ। सभी 41 श्रद्धालुओं का जत्था 24 फरवरी को अमौसी एयरपोर्ट से इंडिगो फ्लाइट द्वारा अमृतसर के लिए रवाना हुआ, जहां उनका ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत हुआ। स्वर्ण मंदिर में दर्शन करने के बाद, सभी श्रद्धालु करतारपुर साहिब के लिए रवाना हुए। इस यात्रा के हर पड़ाव पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा विशेष प्रबंध किए गए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उनकी टीम के वालंटियर्स पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के साथ रहे, जिससे इस यात्रा को पूरी तरह से सुव्यवस्थित और सहज बनाया गया। करतारपुर साहिब के दर्शन के दौरान कई श्रद्धालु भावुक हो उठे। उनकी आंखों में श्रद्धा के अश्रु छलक पड़े, क्योंकि यह वह पावन धाम है जहां सिखों के प्रथम गुरु, श्री गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष व्यतीत किए और पूरी मानवता को प्रेम, एकता और सेवा का संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की सबसे यादगार और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने वाली यात्रा रही। सभी ने इस ऐतिहासिक अवसर को संभव बनाने के लिए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का आभार जताया। करतारपुर साहिब की यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता और सिख समाज के प्रति उनके सम्मान का प्रत्यक्ष प्रमाण है। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रयासों से करतारपुर कॉरिडोर की स्थापना हुई, जिससे भारतीय श्रद्धालुओं को बिना वीज़ा पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब के दर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह पहल न केवल सिख समाज बल्कि संपूर्ण भारतीय संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए अत्यंत गौरव का विषय रही है। प्रधानमंत्री जी की इसी सोच से प्रेरित होकर, डॉ. राजेश्वर सिंह ने भी अपने क्षेत्र के श्रद्धालुओं की इस आध्यात्मिक यात्रा को संभव बनाया और आगे भी ऐसी यात्राओं को जारी रखने का संकल्प लिया है। डॉ. राजेश्वर सिंह केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और सेवा भाव के प्रतीक बनकर उभरे हैं। उनकी पहल पर अब तक 37 राम रथ श्रवण यात्राओं के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शन कराए जा चुके हैं। उन्होंने सरोजनीनगर को केवल एक विधानसभा क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक परिवार के रूप में देखा है। इसी सोच के तहत उन्होंने यह यात्रा आयोजित की, जिससे श्रद्धालु अपनी धार्मिक आस्था को पूर्ण कर सकें और आध्यात्मिक शांति प्राप्त कर सकें।

वी एफ़ एस ग्लोबल ने एआई और डिजिटल नवाचार में निभाई अग्रणी भूमिका, एआई-संचालित चैटबॉट किया लॉन्च

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वी एफ़ एस ग्लोबल ने हाल ही में यूके जाने वाले यात्रियों के लिए एक नया जनरेटिव एआई-संचालित चैटबॉट लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य ग्राहक सहायता में सुधार करना है। यह चैटबॉट आवाज़ और टेक्स्ट कमांड के माध्यम से यात्रियों को तत्काल, सही और आसान जानकारी प्रदान करता है, जिससे वे वीज़ा आवेदन प्रक्रिया को आसानी से समझ और नेविगेट कर सकते हैं। यह एआई-संचालित चैटबॉट वी एफ़ एस ग्लोबल की दुबई स्थित एआई टीम द्वारा विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य ग्राहक सेवा की बढ़ती मांग को पूरा करना है। एआई की उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए, यह चैटबॉट उपयोगकर्ताओं को वीज़ा आवेदन, प्रक्रिया, और अन्य संबंधित जानकारी के बारे में सही मार्गदर्शन प्रदान करता है। वीज़ा और इमिग्रेशन सेवा समूह के उप निदेशक, जेन विडलर ने कहा कि यह एआई-संचालित चैटबॉट वीज़ा आवेदन प्रक्रिया के बारे में सटीक जानकारी प्रदान कर के ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा देने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वी एफ़ एस ग्लोबल के संस्थापक और सीईओ जुबिन करकारिया ने बताया कि इस एआई-संचालित सूचना समाधान के लॉन्च से यूके की यात्रा करने वाले उनके ग्राहकों का वीज़ा आवेदन अनुभव महत्वपूर्ण रूप से बेहतर होगा। कंपनी ने कहा कि वह एआई और डिजिटल तकनीकों के साथ अपने क्लाइंट सरकारों और ग्राहकों के लिए लगातार नवाचार और सुधार कर रही है। यह चैटबॉट पूरी तरह से वी एफ़ एस ग्लोबल के सुरक्षित आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्मित और होस्ट किया गया है, और डेटा सुरक्षा तथा गोपनीयता मानकों का पूरी तरह पालन करता है। इस परियोजना में नैतिक एआई प्रैक्टिस और पूर्वाग्रह शमन पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें %जिम्मेदार एआई संस्थान% के साथ साझेदारी की गई है। वी एफ़ एस ग्लोबल, जो 68 क्लाइंट सरकारों के लिए वीज़ा, पासपोर्ट और कांसुलर सेवाओं के आवेदन से संबंधित कार्यों का प्रबंधन करती है, इस प्रकार अपनी टेक्नोलॉजी विकास, अपनाने और एकीकरण के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण को निरंतर बढ़ावा देती है।

समाचार

महिला ने पति पर गाली गलौज, मारपीट की दर्ज कराई रिपोर्ट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा के गौरी शंकर खेड़ा में रहने वाली महिला सुशीला ने अपने पति रामशरण के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुशीला का कहना है कि उसका पति रामशरण रावत नशे का आदी है। वह अक्सर उसे और उसकी बेटियों के साथ गाली गलौज कर उत्पीड़न करता है। सुशीला का कहना है कि 23 फरवरी रविवार शाम करीब 7 बजे रामशरण ने नशे में धुत होकर गाली गलौज की और लात घूसों व डंडों से उसे मारने पीटने लगा। उसके चिल्लाने पर बेटी मानसी बचाने दौड़ी तो रामशरण ने उससे भी गाली गलौज कर मारा पीटा। जिससे मां बेटी चोटिल हो गई। आरोप है कि रामशरण ने बाद में दोनों को जान से मारने की धमकी भी दी। फिलहाल बंथरा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

विवाहिता से छेड़छाड़ करने के साथ वीडियो के नाम पर धमकाकर ब्लैकमेल करने का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर इलाके की एक विवाहिता ने युवक के खिलाफ जबरदस्ती छेड़छाड़ करने के साथ वीडियो के नाम पर धमकाकर ब्लैकमेल करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित विवाहिता का कहना है कि बिजनौर में सीआरपीएफ गेट के सामने रहने वाले ध्रुव यादव ने बीती 12 अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के बीच उसके घर में जबरन घुसकर उससे बदतमीजी और जबरदस्ती छेड़छाड़ की। पीड़िता का आरोप है कि कुछ दिनों पहले आरोपी ने उसको धमकी दी कि उसने उसका वीडियो बना रखा है। धमकाता है कि वह वीडियो उसके पति को दिखा देगा। उसकी इस धमकी से डरी पीड़िता अपने पति से छुपकर उसकी बात मानती रही। विवाहिता का कहना है कि उसके डर से वह हर माह आरोपी को 20,000 रुपये देती रही। बाद में परेशान होकर पीड़िता अपना घर छोड़कर किराए पर रहने लगी और वहीं से अपने जूते चप्पल की दुकान पर आती जाती। उसका कहना है कि इसी दुकान से उसने अब तक आरोपी को 3 लाख रुपये दे चुके हैं। जब पीड़िता ने उससे बात करनी बंद कर दी, तो आरोपी ने उसके मकान की दीवार तोड़ दी। फिलहाल बिजनौर पुलिस ने पीड़िता की तहरी पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पेट्रोलियम कंपनियों के सहयोग से आयोजित एफिशिएंट ड्राइविंग प्रतियोगिता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार को पेट्रोलियम कंपनियों के सहयोग से आयोजित इस फ्यूल एफिशिएंट ड्राइविंग प्रतियोगिता का उद्देश्य फ्यूल संरक्षण और ईंधन की बचत के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इसमें विशेष रूप से मारुति डिजायर पेट्रोल कार और टाटा एस एलसीवी वाहन धारकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ इंडियन आयल के राज्य प्रमुख राजेश सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के दौरान, प्रतिभागियों ने विभिन्न चेक प्वाइंट्स से होकर अपने वाहन का माइलेज दर्ज कराया। इस पूरे कार्यक्रम में ईंधन की बचत और उसका सही उपयोग करने की महत्वता पर जोर दिया गया। अंत में विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित कर प्रतियोगिता का समापन हुआ। यह आयोजन न केवल वाहन धारकों को फ्यूल बचत की दिशा में जागरूक करने का एक अच्छा अवसर था, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक कदम था।

रौज़े जनाबे मुस्लिम में किया गया महफिल का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। हुसैनाबाद स्थित रईस मंज़िल में सोमवार को रौज़े जनाबे मुस्लिम में महफ़िल का आयोजन किया गया। यह महफ़िल हर साल इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार 25 शाबान को होती है। महफ़िल की शुरुआत पाक किताब कुरआने मजीद से की गई, जिसके बाद शायरों ने हजरत जनाबे मुस्लिम की शान में कसीदे पेश किए। इस धार्मिक आयोजन में लोग गहरी श्रद्धा और आस्था के साथ शरीक हुए, और शायरी के जरिए हजरत जनाबे मुस्लिम के जीवन और उनके योगदान को याद किया गया। महफ़िल में मशहूर शायर नय्यर जलालपुरी और एजाज रिजवी ने अपनी शानदार शायरी से माहौल को नूरानी बना दिया। उनके काव्य पाठ ने अकीदतमंदों को अपनी भावना और श्रद्धा से गहरे तौर पर जोड़ा, जिससे महफ़िल एक विशेष रूप से यादगार बन गई। कार्यक्रम के अंत में, रात 12:00 बजे जनाबे मुस्लिम की नज़र दिलाई गई और देश में अमन और शांति के लिए दुआ की गई।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने महाशिवरात्रि पर सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना करते हुए दी बधाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महाशिवरात्रि पर सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना करते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह शिव और शक्ति के मिलन का महापर्व है। शिव कल्याणकारी, चैतन्य स्वरूप एवं आनंद स्वरूप हैं। शिव नकारात्मक संस्कारों से मुक्ति का संदेश देते है। उन्होंने लोक कल्याण के लिए हलाहल का पान किया। शिव सत्य और सुन्दर के प्रतीक स्वरूप है।

डॉ. राजेश्वर सिंह का सफलता का मंत्र: अपने लक्ष्य पर केन्द्रित रहें, कड़ी मेहनत करें, ईश्वर पर आस्था रखें

- कैप्टन शिवा चौहान, शिवांगी सिंह से रितु करिधाल: धरती से आसमान और अंतरिक्ष तक, भारत की बेटियां हर सीमा लांघकर इतिहास रच रही - डॉ. राजेश्वर सिंह
- प्रतिवर्ष 4.2 करोड़ शिक्षार्थी जिनमें 2.2 करोड़ बेटियों के साथ भारत बना दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी उच्च शिक्षा शक्ति - डॉ. राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। युग युवा शक्ति का युग है, और आज की पीढ़ी सबसे सौभाग्यशाली है, जिसके पास वे सभी संसाधन उपलब्ध हैं, जिनकी पहले केवल कल्पना की जा सकती थी। यह समय बेटियों के सपनों के पंख खोलने का है, उन्हें नई ऊंचाइयों तक उड़ान भरने का है। इसी संकल्प को साकार करने के लिए सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने नवयुग कन्या महाविद्यालय के फाउंडर्स डे के अवसर पर छात्राओं को प्रेरणादायी संबोधन दिया और उन्हें आत्मनिर्भरता, शिक्षा, तकनीकी दक्षता एवं संकल्पशक्ति की महत्ता से अवगत कराया। इस अवसर पर विधायक ने महाविद्यालय के संस्थापक स्व. दीन दयाल जी को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की, उन्होंने 62 वर्ष पूर्व ही बेटियों की शिक्षा के महत्व को समझा और इस विद्यालय की नींव रखी। डॉ. सिंह ने कहा कि बीते दशकों में समाज की सोच में ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। एक समय था जब बेटियों की शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को परिवार और समाज सहज स्वीकार नहीं करता था। लेकिन आज, भारत में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जैसी सशक्त नारियां देश का नेतृत्व कर रही हैं। ये केवल पदों पर आसीन महिलाएं नहीं, बल्कि उन बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में अपनी राह बनाई और समाज को दिखाया कि नारी शक्ति किसी से कम नहीं। उन्होंने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज भारत उच्च शिक्षा का दूसरा सबसे बड़ा हब बन चुका है। 4.2 करोड़ युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 2.2 करोड़ बेटियां शामिल हैं। बेटियां आज हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं। कैप्टन शिवा चौहान सियाचिन ग्लेशियर में तैनात होने वाली पहली महिला अधिकारी बनकर कठिनतम परिस्थितियों में देशसेवा का आदर्श स्थापित किया तो शिवांगी सिंह देश की पहली महिला राफेल लड़ाकू विमान पायलट बनकर आसमान में भारत की शक्ति का परचम लहरा रही हैं। सुरेखा यादव देश की पहली महिला लोको पायलट बनीं, लखनऊ की बेटी रितु करिधाल को %रॉकेट वुमन ऑफ इंडिया% के नाम से जाना जाता है। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में भारत का नाम रोशन किया। यह प्रमाण है कि यदि बेटियों को सही अवसर मिले, तो वे असंभव को भी संभव बना सकती हैं। शिक्षा और संसाधनों की उपलब्धता पर बल देते हुए विधायक ने कहा कि नवयुग कन्या महाविद्यालय की छात्राएं अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि उनके पास काउंसलिंग सेल, प्लेसमेंट सेल जैसे सभी आधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। हमारी बेटियां अपने कैरियर को लेकर स्पष्ट हैं, यही हमारी वास्तविक उन्नति है। अपने लक्ष्य पर फोकस रहिये, मेहनत कीजिये और ईश्वर पर विश्वास रखिये सफलता का यही मूल मन्त्र है, आईआईटी धनबाद से बी. टेक के बाद भी समाज शास्त्र में परास्नातक और लॉ की पढाई के अपने अनुभव को साझा करते हुए विधायक ने कहा आप स्वय को जितना इम्प्रूव करेंगे जीवन में उतना आगे बढ़ेंगे, उतना बेहतर परफॉर्म करेंगे। उन्होंने भारत की शिक्षा प्रणाली में हुए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ था, तब साक्षरता दर मात्र 18ल थी और बेटियों की साक्षरता दर 10ल से भी कम थी। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। आज का युग ग्लोबल प्रतिस्पर्धा का युग है, जहां यूपीएससी जैसी परीक्षाओं में 14-15 लाख युवा आवेदन करते हैं, लेकिन मात्र 1000 से भी कम को सफलता मिलती है। इस कठिन प्रतिस्पर्धा के दौर में केवल वे ही आगे बढ़ सकते हैं, जो लक्ष्य पर केंद्रित रहकर मेहनत करते हैं। स्वास्थ्य और खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि 2030 तक विश्व में प्रत्येक दसवां ओबेसिटी से ग्रसित बच्चा भारतीय होगा। यदि शारीरिक रूप से फिट नहीं रहेंगे, तो मानसिक रूप से भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। इसलिए युवाओं को खेल-कूद में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। डिजिटल शिक्षा और तकनीकी कौशल की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि 2030 तक वर्तमान की 8.5 करोड़ नौकरियां समाप्त हो जाएंगी, जबकि डिजिटल स्किल्स आधारित 9.5 करोड़ नई नौकरियां सृजित होंगी। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी जेंडर न्यूट्रल होती है, यानी इसमें किसी भी वर्ग या लिंग का भेदभाव नहीं होता। बेटियों को चाहिए कि वे इन तकनीकी अवसरों को पूरी तरह से आत्मसात करें और डिजिटल स्किल्स में दक्ष बनें। बेटियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर आश्वस्त होते हुए उन्होंने कहा, 卐कहा जाता है कि किसी राष्ट्र का भविष्य देखना हो, तो उसके युवाओं के चेहरे को देखो। और मैं आज बेटियों के आत्मविश्वास, संकल्प और जज्बे को देखकर निश्चिंत हूं कि भारत का भविष्य उज्ज्वल और गौरवशाली है।卐 अपने संबोधन के अंत में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सरोजनीनगर में युवाओं को बेहतर शिक्षा और संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक 30 से अधिक विद्यालयों, विशेष रूप से गर्ल्स कॉलेजों में डिजिटल लैब्स स्थापित की जा चुकी हैं, 18 कॉलेजों में स्मार्ट क्लासरूम बनाए गए हैं, और 1000 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप, टैबलेट और साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया गया है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने नवयुग कन्या महाविद्यालय में एक और स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने का संकल्प व्यक्त किया।इस अवसर पर ऐश्वर्या सिंह जी, डॉ. मंजुला उपाध्याय जी एवं डॉ. विनीता सिंह जी द्वारा संकलित पुस्तक %भारतीय ज्ञान परंपरा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020% का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रबंध समित के अध्यक्ष कौशल कुमार अग्रवाल, प्रबंधक प्रतिनिधि अमित दयाल, प्राचार्य प्रो. मंजुला उपाध्याय, प्रो. मनोज पाण्डेय, प्रो. विनोद चंद्रा, प्रो. संजय मिश्रा, प्रो. संगीता कोटवाल, मेजर मनप्रीत कौर एवं शिक्षा व सामाजिक जगत से जुडी अन्य विभूतियाँ मौजूद रही।

संपादकीय

एक त्रासद तबाही का युद्ध

24 फरवरी को रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन युद्ध अभी जारी है। रूस ने ऐसे प्रतिरोध की कल्पना भी नहीं की होगी। हालांकि अब समझौते, शांति और संवाद की एकतरफा कोशिशें भी की जा रही हैं। अमरीका-रूस के विदेश मंत्री स्तर के प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी अरब में बातचीत की है। यूक्रेन और यूरोप को इस संवाद से बाहर ही रखा गया है। क्या यूक्रेन की संप्रभुता और स्वतंत्र अस्तित्व को नकारा गया है? क्या यूक्रेन की सहमति के बिना कोई युद्ध-समझौता हो सकता है? यूक्रेन का संकट बढ़ता जा रहा है, क्योंकि अमरीका में राष्ट्रपति ट्रंप के सत्तासीन होने के बाद उसने यूक्रेन की मदद करने से साफ इंकार कर दिया है। यूरोप अब यूक्रेन की सैन्य, आर्थिक मदद को लेकर विभाजित हो गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सरोकार इतना है कि शांति स्थापित हो और यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाया जाए, तो वह राष्ट्रपति पद छोडऩे को तैयार हैं। रूस का साम्राज्यवादी रुख रहा है। इसी आधार पर उसने यूक्रेन पर आक्रमण कर युद्ध छेड़ा था। रूस की सोच है कि यूक्रेन को संप्रभु देश होने का कोई अधिकार नहीं है। तो फिर इस युद्ध का निष्कर्ष क्या होगा? हमारा मानना है कि इस युद्ध में न तो कोई विजेता है और न ही कोई पराजित है। बल्कि रूस-यूक्रेन दोनों ही हारे हैं, क्योंकि दोनों ही देशों में विध्वंस, तबाही व्यापक स्तर पर हुई है। दोनों ही देशों को यह अनुभव हो गया होगा कि युद्ध की परिणति क्या होती है? युद्ध भी एक नए किस्म की निरंतर राजनीति का प्रतिरूप है। इस संदर्भ में ट्रंप, पुतिन, मोदी और यूरोपीय देश अपनी राजनीति के मोहरे चल रहे हैं। बहरहाल यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक त्रासद् तबाही वाला युद्ध साबित हुआ है। तबाही रूस और यूक्रेन दोनों पक्षों में हुई है। दोनों के करीब 2.5 लाख लोग मारे गए हैं। उनमें अधिकतर सैनिक थे। करीब 68.5 लाख यूक्रेनी शरणार्थी यूरोपीय देशों में हैं। करीब 1 करोड़ यूक्रेनी बेघर हुए हैं। उसके 8 लाख सैनिक घायल बताए जा रहे हैं। उनका इलाज कैसे होगा? बेघर होने वालों में करीब 20 लाख बच्चे भी हैं। यूक्रेन का 20 फीसदी जमीनी हिस्सा खो चुका है। 2024 में यूक्रेन का 4168 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र रूस ने कब्जा लिया। यूक्रेन के 10 बड़े शहर 'खंडहर' हो चुके हैं। रूस को भी कुल 109 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। उसके 20 से अधिक पोत यूक्रेनी हमलों के कारण 'काला सागर' में डूब चुके हैं। रूस के बख्तरबंद वाहन, टैंक आदि भी तबाह हुए हैं। युद्ध के कारण ही रूस के औसत जीवन-स्तर में 35 फीसदी की गिरावट आई है। तो किस आधार पर रूस खुद को युद्ध का विजेता घोषित कर सकता है? बेशक युद्ध को समाप्त कराने के प्रयास प्रधानमंत्री मोदी के अलावा राष्ट्रपति ट्रंप ने भी किए हैं, लेकिन ट्रंप 'शांति का नोबेल पुरस्कार' हासिल करने के मद्देनजर ऐसे भेदभावपूर्ण प्रयास न करें। संवाद की मेज पर दोनों देशों के प्रतिनिधि उपस्थित होने चाहिए। इस युद्ध ने विश्व की 'सप्लाई चेन' को बुरी तरह प्रभावित किया है। रूस-यूक्रेन गैस और गेहूं उत्पादन के सर्वोच्च देश हैं। गैस सप्लाई नहीं की गई, तो यूरोप कंपकंपाया है। गेहूं की आपूर्ति नहीं हो सकी, तो गरीब, पिछड़े देशों में खाद्य-संकट उभरा है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्था भी गिरी है। रूस और यूक्रेन में धार्मिक, जातीय, नस्लीय, सांस्कृतिक समानताएं हैं। युद्ध में दोनों ही देश पराजित हुए हैं, क्योंकि उनकी संस्कृति छलनी हुई है। युद्ध की विभीषिकाओं पर आत्ममंथन हो।

परिवहन एक नई कहानी

हिमाचल में सडक़ परिवहन के माध्यम से प्रदेश को ऊर्जा और भविष्य के रास्ते मिलते हैं। इन्हीं रास्तों पर परिवहन निगम की करवटें एक नए दस्तूर में वादा कर रही हैं। वादा यह कि बसों की नस्ल बदलेगी और यह भी कि ग्रीन स्टेट के प्रमुख पार्टनर के रूप में एचआरटीसी अपना शृंगार करेगी। परिवहन निगम का निदेशक मंडल बड़े फैसलों की शिरकत में छह सौ करोड़ व्यय का खाका बना रहा है। इन मंजूरियों की फाइलें महत्त्वाकांक्षी हैं और वक्त के चौराहों से आगे निकलने की एक कोशिश भी कर रही हैं। हिमाचल में परिवहन का ब्रांड एचआरटीसी सदा रही है, लेकिन समय के बदलते स्वरूप और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कुछ फासले ऐसे बढ़ गए कि सार्वजनिक क्षेत्र के इस उपक्रम को कुछ कदम रोकने पड़े। अनावश्यक रूट घटा कर तथा संचालन की उपयोगिता बढ़ा कर, एचआरटीसी के सफर की अपनी कहानी दुरुस्त करने की कोशिशें बढ़ गई हैं। यही परिणाम पिछले एक साल में 70 करोड़ की कमाई बढ़ा कर मिला है। हालांकि इस कमाई की बाहों में इलेक्ट्रिक बसों की कम खर्चीली दास्तान है या परिवहन विस्तार पर लगे अंकुश है, फिर भी यह आशाजनक संकेत है कि एक घाटे वाले सार्वजनिक उपक्रम ने कुछ हटकर करने की ठान ली है। बहरहाल परिवहन निगम अपनी क्षमता बढ़ाने तथा बसों की नई खेप उतारने के लिए छह सौ करोड़ का प्रावधान सरकार के बही खातों से हासिल करेगा, वरना हर डिपो की वित्तीय व्यवस्था में इतना लाभ होता कि हर साल अपनी कमाई से ऐसी उपलब्धियां भी हासिल करता। डिपो केवल बस रूटों की नुमाइश में एक सीमित सा प्रबंधन बने हैं, जबकि साल दर साल की वित्तीय रिपोर्ट नकारात्मक होती गई। अगर हम डिपो दर डिपो पूछें कि कितने नालायक चल रहे हैं, तो मालूम होगा कि सियासी बस रूटों पर घाटे के ही पांव चल रहे हैं। आखिर खरीद-फरोख्त केंद्रीय विषय क्यों हैं। क्यों नहीं हर बस डिपो अपनी वित्तीय, बजटीय प्लानिंग व आमदनी एवं खर्च के ब्यौरे से हर साल, प्रगति और विकास का रिपोर्ट कार्ड बनाए। उदाहरण के लिए हर बस डिपो अपनी कमाई से अर्जित मुनाफे से कम से कम पांच नई बसों की खरीद का वार्षिक कैलेंडर क्यों न बनाए। अगर प्राइवेट वोल्वो बस आपरेटर अपने लक्ष्यों की कामयाबी में हर साल कुछ नई बसें जोड़ लेता है, तो उसकी व्यवस्था और सफलता के मायने सिद्ध होते हैं। बेशक एचआरटीसी के मायने सार्वजनिक परिवहन को इतना संतुष्ट करते हैं कि आज भी आम हिमाचली सरकारी बसों पर भरोसा करता है, लेकिन इसका आर्थिक पक्ष और वित्तीय प्रबंधन का औचित्य भी साबित करना होगा। निदेशक मंडल अपने दायित्व के खाके में 297 इलेक्ट्रिक व 250 डीजल बसों की खरीद पुख्ता कर रहा है। इसके अलावा 24 सुपर डीलेक्स बसों की खरीद भी सुनिश्चित हो रही है। जाहिर है इससे मंतव्य और गंतव्य दोनों में एचआरटीसी की छवि में सुधार होगा, लेकिन निगम को अपने बिगड़े कलपुर्जों को भी तेल लगाना पड़ेगा। यानी घाटे कम करने के लिए अनावश्यक खर्चे, अनावश्यक बस रूट और भारी भरकम अफसरों की तादाद से निजात चाहिए। परिवहन के दारोमदार में नवाचार, नए विकल्पों का आधार तथा आनलाइन सुविधाओं का प्रसार भी आवश्यक है। आय बढ़ाने के लिए एचआरटीसी अपनी संपत्तियों का बेहतर इस्तेमाल करते हुए प्रमुख मार्गों तथा खान-पान सुविधाओं, रिजॉर्ट व हाई-वे पर्यटन सुविधाओं का प्रसार कर सकती है। ऐसा क्यों नहीं सोचा गया कि परिवहन निगम की वर्कशाप की दक्षता में निजी वाहन भी सुविधाएं प्राप्त कर सकें। प्रदेश में माल ढुलाई की अपार संभावनाओं में एचआरटीसी की भूमिका अलग से विंग के मार्फत पारंगत हो सके। क्यों नहीं परिवहन निगम मनाली, शिमला व धर्मशाला में अपने कार्यक्षेत्र के तहत इलेक्ट्रिक टैक्सियों के संचालन में प्वाइंट टू प्वाइंट सर्विस सेवा शुरू करता। पूरी पर्यटन इंडस्ट्री के बीच परिवहन निगम की प्रासंगिकता को तय करने के लिए नए दखल चाहिए। इसी तरह अगर हिमाचल के तमाम बड़े शहरों के बस स्टैंड को व्यापारिक, मनोरंजन एवं पर्यटन परिसर की अधोसंरचना में सशक्त किया जाए, तो हिमाचल परिवहन निगम की सफलता की संभावना बढ़ेगी। बहरहाल, हम यह उम्मीद कर रहे हैं कि छह सौ करोड़ के व्यय से कुछ तो कारवां बदलेगा। कुछ खटारा बसें परिदृश्य से हट जाएंगी और कुछ क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा उतर जाएगा।

मोटापे के खिलाफ मोदी का अभियान

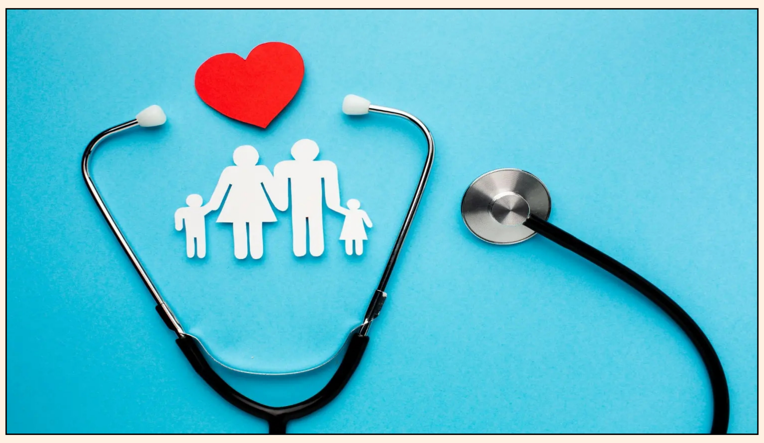

दिल्ली में चुनाव प्रचार के आखिरी सप्ताह में बाजी पलटने के संकेतब्रिक्स मुद्रा का सपना और डॉलर विरोधी अभियान ट्रम्प की नयी चिंता एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, उसकी बानगी आकाशवाणी पर हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले उनके कार्यक्रम श्मन की बातश् की ताजा कड़ी में देखने को मिली। मोदी ने बताया कि विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं और भारत में हर आठवां नागरिक मोटे लोगों की श्रेणी में आता है। यह समस्या बच्चों में भी बढ़ रही है और हाल के वर्षों में मोटापे की बीमारी चार गुना बढ़ गयी है। मोटापे के कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी होने वाली कई बीमारियों का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों को आगाह किया और इनसे बचने की सलाह दी। इसके लिये पीएम ने तेल की खपत 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह देशवासियों से तो किया ही, दस नामी-गिरामी हस्तियों को इस अभियान से जोड़ा जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारम्भिक व्यक्ति होंगे। जिस प्रकार से व्यायाम का नाम लेने मात्र से, साल में एक बार योग दिवस मना लेने अथवा जिम की सदस्यता लेने मात्र से कोई स्वस्थ और छरहरा नहीं हो जाता, वैसे ही मोटापे की बीमारी का जिक्र करने मात्र से किसी का वजन घट जाने वाला नहीं है, लेकिन मोदी की यह फ़ितरत हैय और उनकी गलतफ़हमी भी कि उनके उल्लेख करने मात्र से किसी समस्या का निदान हो जायेगा तथा लोग उनके रेडियो कार्यक्रम के पूरा होते ही वजन घटाने में लग जायेंगे। अगर ऐसा होता तो आज कम से कम पूरा भारत रोजाना नियमित तौर पर योगाभ्यास करता हुआ दिखता जिसकी शुरुआत स्वयं मोदीजी के प्रयासों से हुई थी। उन्हीं के आग्रह से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को निर्धारित किया था। हर वर्ष योग दिवस के अवसर पर जिस प्रकार से कार्यक्रम होते हैं, उससे साफदिखता है कि एक दशक की इस कथित योग यात्रा के बाद भी ज्यादातर भारतीय योगासनों से अपरिचित हैं और उन्हें करने के नितांत नाकाबिल। विशेषकर, इन कार्यक्रमों में शामिल होने वाले नेता, मंत्री, अधिकारी, उद्योगपति, व्यवसायी आदि जो शोशेबाजी के चलते योग के कार्यक्रमों में शामिल तो हो जाते हैं लेकिन उनके थोड़ा सा हाथ-पांव हिलाते ही पता चल जाता है कि यह उनकी दिनचर्या का हिस्सा नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि मोटापा एक वैश्विक समस्या है और भारतीयों में भी इससे प्रभावितों की संख्या में बड़ा इजाफ़ा हुआ है। ऐसा भी नहीं कि मोदी ने कोई गलत विषय उठाया हो। यहां सिर्फ ध्यान में लाया जाना जरूरी है कि इवेंट बनाने से किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो जाता। यदि मोटापे को खत्म करने के प्रति प्रधानमंत्री वाकई बहुत गम्भीर हैं तो उन्हें इसे लेकर विशेषज्ञों तथा चिकित्सा वैज्ञानिकों से पहले बात कर एक ठोस योजना लानी चाहिये। यह कम से कम रेडियो कार्यक्रम का हिस्सा तो नहीं हो सकता क्योंकि इस प्रसारण को लोग अब राजनीतिक नजरिये से देखने लगे हैं। जिस प्रकार से इसे सुनने के लिये उनकी भारतीय जनता पार्टी व सरकारें श्रवण कार्यक्रम आयोजित करती हैं तथा बाद में उसका प्रकाशन व प्रसारण एक सुनियोजित तरीके से मोदी की छवि निखारने के लिये होता है, उससे लोगों के मन में वितृष्णा सी हो गयी है। तमाम विषयों पर किसी विशेषज्ञ सी राय देने वाले मोदी के ये प्रवचननुमा उद्बोधन लोगों पर कोई असर नहीं डालते। यदि इन रेडियो कार्यक्रमों में इतना ही दम होता तो आज भारत की सारी समस्याओं को रेडियो प्रसारणों के जरिये उखाड़ कर फेंका जा चुका होता। बहरहाल, मोटापे का सम्बन्ध केवल तेल का प्रयोग नहीं वरन जीवन शैली से और आनुवांशिकी दोष से भी है। बेशक, तेल भी एक कारण है लेकिन समस्या केवल 10 प्रतिशत मात्रा घटाने से समाप्त नहीं होगी। पहली बात तो है लोगों के जीवन स्तर को सुधारना जिसके अंतर्गत खान-पान की गुणवत्ता सुधारनी प्राथमिक जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार एक ही तरह का तेल लम्बे समय तक इस्तेमाल में लाना गलत है। मात्रा घटाने के साथ ही अलग-अलग तरह के तेलों का इस्तेमाल होना आदर्श माना जाता है लेकिन जिस देश में 85 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देना राष्ट्रीय गर्व का विषय हो तथा उसका उल्लेख एक महान उपलब्धि के रूप में होता हो, वहां इन लोगों के पास खान-पान सम्बन्धी कितने विकल्प हो सकते हैं, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। खुद मोदी के आने के बाद सभी तरह के खाद्य पदार्थों की कीमत बेतरह बढ़ी है जिनमें तेल भी शामिल है। आज एक आम भारतीय को सबसे सस्ता तेल खरीदना पड़ता है, यह जानते हुए भी कि उसमें मिलावट है। घटिया और महंगा सामान बनाने का लाइसेंस आज उद्योगपतियों व व्यवसायियों को भाजपा के पक्ष में इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीदकर या चंदा देकर मिल ही चुका है। अच्छे खान-पान का सम्बन्ध लोगों की आय से भी है। जब तक लोगों के पास आय के अच्छे व स्थायी स्रोत न होंगे, भोजन सम्बन्धी ये प्रयोग लोगों तक न तो पहुंचेंगे, न ही वे आजमाये जा सकेंगे। अलबत्ता कुछ खाये-पिये अघाये लोग इस तरह के प्रयोग पहले से करते आ रहे हैं जिसके अंतर्गत वे रिफ़ाइंड शक्कर व सफेद चावल की जगह क्रमशः ब्राउन शूगर व ब्राउन राइस खाते हैं, सफेद की बजाये सेंधा नमक खाते हैं और बेहद महंगा जैतून तेल खाते हैं। देश के नागरिकों की वास्तविक स्थिति से नितांत अनभिज्ञ मोदीजी समझते हैं कि मन की बात से देश से मोटापे की समस्या छूमंतर हो जायेगी। भला ऐसा कहीं होता है क्या?

"दिल्ली में चुनाव प्रचार के आखिरी सप्ताह में बाजी पलटने के संकेतब्रिक्स मुद्रा का सपना और डॉलर विरोधी अभियान ट्रम्प की नयी चिंता एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है"

'पवित्र स्नान' का दूसरा पहलू : क्या महाकुंभ में सरकारी लापरवाही से लोग बेहद गंदे पानी में नहाते रहे?

आलेख ~ सुभाष गाताडे

आस्था और गंदगी सहयात्री रहते आए हैं। आस्था के तमाम जाने-माने केन्द्रों पर या अपनी आस्था को सेलिब्रेट करने के नाम पर मनाए जाने वाले समारोहों में, प्रचंड ध्वनि प्रदूषण और रौशनी का प्रदूषण आदि के माध्यम से, इसकी मिसाल अक्सर देखने को मिलती है। प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों से भरे गंदे जलाशय, जिनकी मौजूदगी पानी के ऑक्सीजन की मात्रा पर विपरीत असर डालती है, पानी में ही फेंकी गयी सूखे फूलों की मालाएं आदि-आदि से महानगर भी अछूते नहीं रहते हैं। इस सम्बन्ध में ताज़ी मिसाल महाकुंभ के बहाने से उजागर हुई है, जब केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट ने इस बात को उजागर किया कि किस तरह प्रयागराज के पानी में उन्हें उच्च स्तर पर मल के जीवाणु मिले हैं, जो किसी भी सूरत में नहाने योग्य नहीं है। इस सिलसिले में नेशनल ग्रीन टिब्यूनल ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के अधिकारियों को तलब भी किया है कि 'प्रयागराज/इलाहाबाद में गंगा, यमुना के पानी की गुणवत्ता के उल्लंघन को लेकर, उन्होंने जो दिशानिर्देश जारी किए थे, उस पर उन्होंने अमल नहीं किया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय ग्रीन टिब्यूनल (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस बात के लिए भी आलोचना की है कि अपनी जो रिपोर्ट उन्होंने प्रस्तुत की है, उसके सैम्पल पुराने है और सभी 12 जनवरी के पहले के, अर्थात कुंभ मेला शुरू होने के पहले के है। प्रयागराज में गंगा और यमुना में असंशोधित सीवेज डालने के मसले पर सुनवाई करते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने अपने इस आरोप को दोहराया है कि किस तरह महाकुंभ में उन्हें कई स्थानों पर जल की जांच में मल सम्बन्धी जीवाणु और टोटल कॉलीफॉर्म के तत्व मिले हैं। दिलचस्प है कि विधानसभा के पटल पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट को ही खारिज किया है और अपनी तरफ से ऐलान किया है कि गंगा-यमुना का पानी न केवल नहाने योग्य है, बल्कि 'पीने' योग्य भी है। वैसे इस बयान से भले ही सरकार समर्थक लोगों, समूहों के आत्मविश्वास को बल मिले, मगर जब उत्तर प्रदेश प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों को सार्वजनिक तौर पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की तरफ से लताड़ लग रही हो, तब इस वक्तव्य को कैसे समझा जाए, यह अहम सवाल है। प्रश्न उठता है कि राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल की गंगा के प्रदूषण पर जब मुहर लगी है, तब क्या यह तर्क दूर तक जायेगा कि यह सवाल उठाना 'करोड़ो लोगों की आस्था पर हमला' है? तय बात है कि सत्ताधारी जमात के प्रकट राजनीतिक विरोधियों ने भी यह सोचा नहीं होगा कि महाकुम्भ के सम्पन्न होने के अवसर पर मुख्यमंत्री महोदय को मिलते तारीफों के गुलदस्तों के साथ-साथ वह ख़बर भी हवा में तैर रही होगी कि जिस श्रद्धा के साथ लोगों ने कुंभ के अवसर पर गंगा-यमुना में स्नान किया, वह पानी, बकौल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, 'कहीं से भी नहाने लायक नहीं था'। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्राण बोर्ड द्वारा पानी की गुणवत्ता पर जो अध्ययन किया गया है तथा इस बात की विधिवत जांच की गयी है कि इलाहाबाद/प्रयागराज में जितने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगे है, वह उन तक पहुंचने वाले सभी सीवेज को पूरी तरह से संशोधित करने में अक्षम है और बहुत सारा असंशोधित पानी सीधे नदी में छोड़ा जाता है, उसके चलते इन आरोपों को सहसा खारिज करना उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लिए आसान नहीं होगा। यह बात भूलनी नहीं चाहिए कि असंशोधित पानी के सीधे गंगा-यमुना में छोड़े जाने से तथा कुंभ नहाने के लिए पहुंचे लोगों द्वारा मल विसर्जन को खुले में करने से भी दिक्कतें बढ़ गयी है। निश्चित ही राज्य सरकार ने यात्रियों के लिए टेम्परर स्तर पर संडासों का निर्माण किया था, सफाईकर्मी भी तैनात किए थे, लेकिन जब तमाम आकलनों को धता बताते हुए वहां पहुंचनेवाले लोगों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी देखी गयी, उसके चलते खुले में मल विसर्जन होना ही था। गौरतलब है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना के गुणवत्ता की जांच किसी देश की बाहरी एजेंसी ने नहीं, बल्कि केन्द्र सरकार के अधीन आने वाले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने की है, जिसकी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में सुनवाई हो रही है, जो एक केन्द्रीय संस्था है, इसके चलते इन विस्फोटक खुलासों को अचानक 'सनातन विरोधियों की साजिश' कहना भी सूबाई सरकार के लिए या उसके अगुआओं के लिए संभव नहीं होगा। अब प्रयागराज में गंगा-यमुना में खास कर संगम के इलाके में सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण में स्नान करने के सरकारी दावों और वास्तविक स्थिति पर गहरे अंतराल को लेकर सवाल अधिक जोर से उठेंगे और तेज होंगे। एक जानकार का कहना था कि अब 'परीक्षार्थी के लिए यह दावा करना मुश्किल होगा कि वह कहने लगे कि प्रश्न सिलेबस के बाहर का आया था।' इस बात पर भी जोर देना आवश्यक है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा पानी की खराब क्वालिटी, इसमें मिले कोलीफॉर्म के जंतु, पानी में ऑक्सीजन की घटती

मात्रा आदि को लेकर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जो सख्त आलोचना की गयी है, वह न केवल राज्य सरकार, बल्कि केन्द्र सरकार के तथा उसके नुमाइंदों के खोखले दावों को भी बेनकाब करता है। सभी को याद होगा कि दो सप्ताह पहले विज्ञान और टेक्नोलॉजी के केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह कुंभ में स्नान के लिए आए थे, उस दिन उन्होंने पत्रकारों के सामने यह दावा भी किया था कि 'पानी की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए' भारत के नाभिकीय अनुसंधान केन्द्रों द्वारा प्रयोग में लायी जा रही तकनीक का भी यहां इस्तेमाल हो रहा है और इन प्रयासों को लेकर उन्होंने अपने महकमे की पीठ ठोंकी थी। उन्होंने यह भी साफ किया था मुंबई में स्थित भाभा अणु अनुसंधान केन्द्र और कल्पकम में स्थित 'इंदिरा गांधी सेन्टर फॉर एटोमिक रिसर्च' ने पानी की शुद्धता बनाए रखने के लिए वहां गंदे पानी को साफ करने के लिए फिल्टरेशन प्लांट भी लगाए हैं। अगर हम राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के अवलोकनों पर गौर करें और उनके इन निष्कर्षों को देखें कि किस तरह प्रदूषित जल की अधिकतम मात्रा संगम के पास देखी गई और वहां जुटे श्रद्धालुओं द्वारा इस्तेमाल किया गया पानी किसी भी सूरत में नहाने योग्य नहीं था, क्योंकि वह सीवेज के पानी से मिला था, तब कुछ अहम सवाल उठते हैं जिनके बारे में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को साफ-साफ जवाब देने ही होंगे ~ एक, आखिर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मेला के पहले ही ऐसी प्रणालियां क्यों नहीं कायम की, जबकि वह जानते थे कि 12 जनवरी के बाद जनता का महासमुद्र वहां स्नान करने पहुंच रहा है? दो, वह इस बात को क्यों सुनिश्चित नहीं कर सका कि प्रयागराज में स्थापित सभी सीवेज संशोधन प्लांट पूरी तरह कार्यरत हैं और सीवेज का एक भी बूंद सीधे नदी में नहीं पहुंच रहा है? तीन, जब केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों ने शहर में अलग-अलग स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की जांच की और बताया कि पानी प्रदूषित है और इसे ठीक किया जाए, तब यूपीपीसीबी ने तेजी से ऐसे कदम क्यों नहीं उठाए, ताकि देश के कोने-कोने से आए यात्रियों में से किसी को भी सीवेज के पानी में नहाना ना पड़े। चार, जब यूपीपीसीबी बोर्ड ने पाया कि उसके सामने जो कार्यभार उपस्थित है, जिसे पूरा करना उसके लिए असंभव है, तो क्यों नहीं उसने आपातकालीन कदम उठाया और सरकार को आगाह किया कि वह कुम्भ में आने से लोगों को रोके, उन्हें वहां पहुंचने से मना करे। सभी जानते हैं कि भले ही औपचारिक तौर पर सभी प्रश्न उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पूछे जा रहे हैं, जो सरकारी आदेश के मातहत काम करता है, स्नान के लिए सीवेज युक्त पानी उपलब्ध रहने के प्रसंग की पूरी जिम्मेदारी निश्चित ही राज्य और केन्द्र सरकार के अग्रणियों के कंधों पर आती है, जिनकी साझा पहल के तहत ही इस 'महाकुंभ' के लिए लोगों को न्यौता दिया गया। क्या यह सरकारें इस बात से इंकार कर सकती हैं कि आधिकारिक तौर पर 7,300 करोड़ रुपए सरकार द्वारा इस मेले के लिए आबंटित किया गया, ताकि जनता के लिए एक सुरक्षित एव सुविधाजनक ढंग से स्नान उपलब्ध हो सके। अगर इतनी अधिक मात्रा में पैसा आबंटित हुआ था, तो फिर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को पूरी तरह चलने में क्यों नहीं सक्षम बनाया गया, क्यों पानी की अच्छी खासी मात्रा बिना संशोधित किए, नदी में सीधे डाली जाती रही? अपनी कमियों को स्वीकारने के बजाय अब यही सुर अपनाया जा रहा है कि 'कमियां थी ही नहीं', सब कुछ ठीक था। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जहां नेशनल ग्रीन टिब्युनल के अग्रणियों के सामने अपनी सफाई नहीं पेश कर पा रहा है, वहां उसे पूछा जा रहा है कि पानी की गुणवत्ता के उसके आंकड़े कुंभ मेले के पहले के हैं और उसने ताजे आंकड़ों को क्यों नहीं इकटठा किया है, क्या वह किसी दबाव में काम कर रहा है और अब अचानक किसी विशेषज्ञ महोदय को सामने लाया गया है और पानी की गुणवत्ता पर उनके 'अनुसंधान' का ढोल पीटा जा रहा है, जहां वह पानी के बिल्कुल शुद्ध होने का सर्टिफिकेट बांट रहे हैं। इस विशेषज्ञ की विद्वत्ता पर कौन सवाल करेगा? सवाल यह है कि क्या वह यूपीपीसीबी के मुलाज़मि है या स्वतत्र एक्सपर्ट है, उनकी क्लीन चिट आखिर यूपीपीसीबी या सीपीसीबी के विद्वानों द्वारा कही गयी बातों को झूठला दे सकती है? क्या यह मुमकिन भी होगा उनकी राय केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों और वैज्ञानिकों की मेहनत को, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के अग्रणियों द्वारा सुनवाई के दौरान उठे जायज सवालों पर एक ही झटके में परदा डाल दे, अपने कार्य निष्पादन में बेहद अक्षम साबित हुए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अग्रणियों को ही क्लीन चिट दिलवा दें? दरअसल यह स्थिति कि 'महाकुंभ' के दौरान जनता के लिए उपलब्ध 'सीवेज युक्त पानी', जो नहाने योग्य कत्तई नहीं है, केन्द्र और राज्य में सत्तासीन भाजपा सरकार की एक और प्रचंड असफलता को बेनकाब करती है, जिसे हम नमामि गंगे नाम से जानते हैं। याद रहे 2014 में ही मोदी सरकार द्वारा शुरू की गयी नमामि गंगे परियोजना में, विगत एक दशक में हजारों करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। जागरूक लोगों से अब यह सवाल भी उठ रहे हैं कि अगर गंगा के जल में स्वयं शुद्धिकरण की बात को, जैसा कि भाजपा के एक अग्रणी महानुभाव दावा कर रहे हैं, मान लिया जाए, तो फिर इस परियोजना को शुरू क्यों किया गया? नवम्बर 2024 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यह दावा क्यों किया कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से गंगा शुद्ध हो गयी है। इन दावों की असलियत का केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अग्रणी उपयुक्त जवाब दे देंगे, मगर ऐसे दावे संविधान के अंतर्गत वैज्ञानिक चिन्तन के प्रति हमारे कर्तव्य की अवहेलना करते दिखते हैं। योगगुरु से अब बड़े उद्यमी बनने की तरफ़ बढ़ रहे महानुभाव द्वारा प्रस्तुत कोरोनिल की असलियत उजागर होने में अधिक वक्त नहीं लगा, मगर इस कवायद में उन मंत्रियों ने अपनी भदद पिटवा ली। वैसे उन सभी लोगों को, जो सीवेज पानी बिना संशोधित किए गंगा में छोड़े जाने पर भी, कथित तौर पर पचास करोड़ से अधिक लोगों द्वारा वहां स्नान करने के बावजूद और शौचालयों की पर्याप्त मात्रा में अनुपलब्धता के चलते वहां खुले में हो रहे मल-विसर्जन की चुनौती के बावजूद, गंगा के पानी के शुद्ध होने के दावे कर रहे हैं और योगी-मोदी सरकार की तरफदारी में जुटे हैं, उन्हें आंखे खोल कर कुछ पुराने कतरनों या अध्ययनों पर निगाह दौड़ानी चाहिए कि किस तरह धार्मिक आयोजन सार्वजनिक जलाशयों को कितने बड़े पैमाने पर विभिन्न स्तरों पर प्रदूषित करते हैं। ज्यादा दूर जाने की आवश्यकता नहीं। 2019 में ही उसी इलाहाबाद/प्रयागराज में अर्द्धकुंभ का आयोजन हुआ था, उस दौरान भी इसी तरह मानव या जानवर के मल से उत्पन्न जीवाणुओं की पानी में उपस्थिति में छलांग दिखायी दी थी। डाउन टू अर्थ की रिपोर्ट में बताया गया था ~ ''केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाईडलाईन्स कहती है कि अगर मल से उत्पन्न कोलीफार्म की मात्रा, 100 मिलीलीटर में 2,500 मिलियन हो, तो वह पानी नहाने के उपयुक्त नहीं होता। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार संगम घाट पर, मल से उत्पन्न कोलीफॉर्म की मात्रा प्रति 100 मिलीलीटर पानी में 12,500 मिलियन थी और शास्त्री पुल पर वह प्रति 100 मिलीलीटर पानी मं 10,150 थी। जाहिर सी बात है कि कुंभ के दौरान गंगा का पानी पीने के लिए बिल्कुल बेकार था।÷ अगर हम ऐसे अन्य आयोजनों पर गौर करें, तो उसी किस्म की तस्वीर सामने आती है। कुंभ से गोदावरी नदी पर जीवाणुओं का बोझ 130 गुना बढ़ जाता है। गोदावरी नदी के किनारे पांच स्थानों पर वैज्ञानिकों द्वारा जो अध्ययन किया गया, वह यही बताता है कि इसके लिए यात्रियों द्वारा किया जा रहा खुले में मल विसर्जन, सीवेज टीटमेंट की और कचरा निपटान की बुरी स्थिति जिम्मेदार है।÷ हम धार्मिक आयोजनों के जरिए सार्वजनिक जलाशयों के होने वाले प्रचंड प्रदूषण से सम्बद्ध अन्य सामग्रियों को देख सकते हैं, जो 'शुद्धिकरण के विरोधाभास' को उजागर करता है। ÷लाखों लोग पवित्र नदियों में स्नान के लिए तथा अपने आध्यात्मिक शुद्धि के लिए कुंभ मेला पहुंचते हैं। अब भले ही निजी स्तर पर उसकी अहमियत कितनी भी हो, वह उसी पानी में नहाते हैं, जिसकी वह पूजा करते है। यह विरोधाभास की स्थिति है। अन्य प्रदूषकों के अलावा यात्रियों में से हर व्यक्ति मल के रास्ते जीवाणु को पानी में पहुंचाता है। ...÷ निस्संदेह महाकुंभ के अवसर पर सीवेज युक्त पानी को लेकर उठे सवाल अब दबना मुश्किल है। सरकार जो भी प्रचार करे, अधिक से अधिक लोग अब इस बात का अनुभव करेंगे कि गंगा किनारे उन्होंने जो 'पवित्र स्नान' किया था, उस वक्त वह पानी कत्तई शुद्ध नहीं था। यात्रियों का एक छोटा सा हिस्सा अब यह कहने का साहस भी जुटाएगा कि किस तरह सत्ताधारी समूह ने उनकी धार्मिक आस्था का दोहन किया है।

24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ कराने हेतु प्रज्ञा मंडलों की हुई बैठक

दुद्धी, सोनभद्र। तहसील अंतर्गत अखिल विश्व गायत्री परिवार संस्थापक युग ऋषि परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य व वंदनीया माता भगवती देवी के सूक्ष्म संरक्षण में पूज्य गुरुदेव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने, मानव में देवत्व का उदय एवं धरती पर स्वर्ग का अवतरण के साथ साथ 21वीं सदी उज्जवल भविष्य, भारतीय सनातन परंपरा अनुरूप सुसंस्कारित कुटुंब परिवार का निर्माण एवं पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के तत्वावधान में महायज्ञ का आयोजन हुआ है।

ग्राम नगवा गांधी मैदान पर दिनांक 2 अप्रैल से 5 अप्रैल 2025 तक चलने वाले 4 दिवसीय गायत्री महायज्ञ संपादन हेतु नगवा में प्रज्ञा मंडल द्वारा आयोजित बैठक संगोष्ठी हुई। जिसके बीच मुख्य अतिथि जिला ट्रस्टी डॉक्टर हर्षवर्धन प्रजापति ने कहाँ की गायत्री परिवार के विचार को विभिन्न संस्कारों, दीपयज्ञ आदि के माध्यम से जन जन तक पहुंचने का कार्य किया जाएगा। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा ने तीर कमान लेकर अपने धर्म संस्कृति व देश की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी जिसे आदिवासी गिरिवासी कों समझना होगा। नशा से दूर रहकर चरित्र के साथ साथ परिवार एवं राष्ट्र निर्माण के लिए त्याग करना होगा।

विशिष्ट अतिथि जिला ट्रस्ट्री शिव शंकर प्रसाद कुशवाहा, राधा रमन चौबे एवं तहसील समन्वयक जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी ने कहा की अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के दिशा निर्देश पर समस्त प्रज्ञा मंडलों में विभिन्न संस्कारों व दीपयज्ञों के माध्यम से 21वीं सदी उज्जवल भविष्य एवं धरती पर स्वर्ग का अवतरण की परिकल्पना को साकार करने के लिए 24 कुण्डीय यज्ञ नगवां में आयोजित हो रहा है। जिसे मिलकर आत्मीय सनातन स्वरुप दिव्य एवं भव्य घर घर सम्पर्क स्थापित कर बनाया जायेगा। तहसील समन्वयक ने कहा कि लगभग 10 से 15 हजार छात्र-छात्राओं के बीच संस्कृति ज्ञान परीक्षा संपादन कर जन जागरण सनातन संस्कृति के प्रति गायत्री परिवार कर रही है।

साथ ही पुराने गायत्री परिवार के जन शिवशंकर कुशवाहा,हुलास यादव, रामदास कुशवाहा सहित प्रज्ञामण्डल दुद्धी,विढमगंज, सागोबांध, मीठीनिया, नरखोरिया, नगवा रेणुकूट आदि जगह से आये हुए लोगों ने गायत्री परिवार की भूरी भूरी प्रशंसा की। पूज्य गुरुदेव के जप,तप,त्याग के जीवन पर प्रमुखजनों ने प्रकाश डाला और उनके बताएं मार्ग पर चलने की बात बतायी।

संगोष्ठी बैठक को रामभूषण उपाध्याय, पूर्व बी डी सी हरिकिशन प्रसाद एवं धर्मजीत प्रसाद,प्रेमचंद गुप्ता द्वारा संबोधन में मार्गदर्शन किया गया। संचालन प्रज्ञा मंडल अध्यक्ष नगवां शिव कुमार द्वारा किया गया।बैठक संगोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ प्रज्ञा की देवी माँ गायत्री व पूज्य गुरुदेव, माता जी के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित उपरान्त शहीद स्थल पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा व सुराजी स्तम्भ पर पुष्प अर्पित कर किया गया। 24 कुण्डीय यज्ञ की सफलता पर कार्य करने की कार्ययोजना अनुसार समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर दिया गया। इस मौके पर ब्लॉक समन्वयक पन्नालाल कुशवाहा, विजय कुमार,इंद्रमणि देवी , भगमनिया देवी,डॉक्टर रामनाथ प्रजापति, महेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

शांति समिति की बैठक में लिए गए सुझाव

बांदा, । एएसपी शिवराज ने कालिंजर थाने में सोमवार को शांति समिति की बैठक की। बैठक में धर्मगुरुओं के साथ ही जागरूक लोग शामिल रहे। सभी धर्मगुरुओं व संभ्रांत व्यक्तियों से वार्ता कर आगामी त्यौहारों महाशिवरात्रि, रमजान, होली आदि पर्वो को सकुशल सम्पन्न कराने व कानून और शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में वार्ता की गई। इस दौरान धर्मगुरुओं और लोगों के सुझाव भी लिए गए। बैठक में सभी से आगामी त्यौहारो को शान्ति पूर्वक एवं परम्परागत तरीके से मनाने की अपील की गई। साथ ही किसी नई धार्मिक परम्परा को बिना अनुमति शुरू न करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कहा गया कि अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी प्रकार की समस्या या घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। सोशल मीडिया पर अराजकता फैलाने तथा साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में दूधमुही बच्ची की मौत

शरीर पर पड़े थे नीले निशान

काशीपुर। संदिग्ध परिस्थितियों में दूधमुही बच्ची की मौत हो गई। उसके शरीर पर नीले निशान थे। बच्ची की मां उसे केयरटेकर को सौंपकर किसी काम से रिश्तेदारी में हरिद्वार गई हुई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बच्ची की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। बड़े गुरुद्वारा के पीछे महादेव कॉलोनी निवासी डॉ–विजय सिंह ने पुलिस को फोन किया। उन्होंने एक मकान की दूसरी मंजिल के कमरे में चारपाई पर तीन माह की बच्ची के मृत पड़े होने की सूचना दी। बताया कि बच्ची के शरीर पर नीले निशान हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो बच्ची चारपाई पर मृत पड़ी थी। सूचना पर कोतवाली से एसएसआई अनिल जोशी व चौकी प्रभारी विपुल जोशी भी वहां पहुंच गए। उन्होंने आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई। साथ ही बच्ची के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूछताछ करने पर पता चला कि 18 फरवरी को महादेव कॉलोनी में रेहड़ निवासी अनिल कुमार के घर की दूसरी मंजिल में जसविंदर कौर अपनी दुधमुंही बेटी के साथ किराये पर रहने आई थी। वह तलाकशुदा है और उसका पूर्व पति राजस्थान में काम करता है। पूछताछ में यह भी पता चला कि 20 फरवरी को जसविंदर बेटी को ग्राम धनौरी निवासी केयरटेकर सुरजो को सौंपकर खुद हरिद्वार में रिश्तेदारी में चली गई। सुरजो पूर्व में जसविंदर कौर के पास बतौर नौकरानी काम कर चुकी है। सुरजो ने बताया कि 21 फरवरी वह बच्ची को पड़ोस में रहने वाले एक परिवार को सौंपकर कहीं और काम करने गई थी। रविवार दोपहर को उसे बच्ची की मौत की सूचना मिली। बेटी की मौत की सूचना मिलने पर रविवार देर शाम जसविंदर कौर भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंची। उसने बताया कि वह बच्ची को सही सलामत छोड़कर गई थी। उसके पीछे क्या हुआ उसे कुछ नहीं मालूम। सूचना मिलने पर पहुंचे यूपी अफजलगढ़ के थाना रेहड़ क्षेत्र निवासी अनिल कुमार ने बताया कि यहां उनका एक मकान है। उनके मकान के पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने जसविंदर कौर को 18 फरवरी को किराये पर एक कमरा दिलवाया था। उसके साथ और कौन–कौन रहते थे, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। वहीं एसपी अभय सिंह ने बताया कि बच्ची की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। पुलिस इस मामले में मासूम की मां, केयरटेकर और पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति से पूछताछ कर रही है।

यूपी बोर्ड की परीक्षा के पहले दिन परीक्षा केन्द्रों पर पुष्प वर्षा कर छात्र–छात्राओं का किया गया स्वागत

दुद्धी, सोनभद्र। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड की परीक्षा सोमवार से शुरू हुई। सोनभद्र के आदर्श इंटरमीडिएट कालेज महुली परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों का स्वागत फूल बरसाकर किया गया। परीक्षा कक्ष से बाहर तिलक लगाए गए। बतासे खिलाकर उनके चेहरे पर मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में भेजा गया।आदर्श इंटरमीडिएट कालेज महुली के परीक्षा केंद्र पर हाईस्कूल में 293 छात्र–छात्राएं परीक्षा में पंजीकृत हैं। बच्चों के स्वागत के लिए रंगोली बनाई गई। आदर्श इंटरमीडिएट कालेज महुली में कई कालेजों के छात्रों का सेंटर बना है। कालेज में बच्चों के स्वागत के लिए रंगोली बनाए गए है आदर्श इंटरमीडिएट कालेज महुली दुद्धी सोनभद्र के प्रबंधक महबूब आलम विद्यालय के चेयरमैन मकसूद आलम एवं केंद्र व्यवस्थापक राकेश कुमार कन्नौजिया ,वाह्य केंद्र व्यवस्थापक डॉ विनय कुमार श्रीवास्तव,स्टैटिक मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार मौर्य आदि छात्रों का स्वागत करते नजर आए। उन्होंने बच्चों को बतासे खिलाकर उनके परीक्षा से पहले के तनाव को दूर करने का प्रयास किया। वहीं, सोमवार को सुबह परीक्षा के पहले दिन परीक्षार्थियों का स्वागत फूलों से किया गया। गेट पर जैसे ही वह प्रवेश किए उनके ऊपर शिक्षकों ने फूल बरसाए। माथे पर तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।अपने ऊपर फूल बरसते देखकर बच्चे मुस्कुराते हुए परीक्षा कक्ष में पहुंचे। आज पहले दिन की परीक्षा को लेकर विद्यालय के आंतरिक सचल दस्ते को सक्रिय किया गया है। गेट पर शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा तलाशी लेकर उन छात्र छात्राओं को परीक्षा में उत्साह के साथ बैठने को कहा ,सभी परीक्षा कक्षों में सीसी कैमरे सहित वायस रिकॉर्डर लगाए गए हैं। जिसे क्षेत्रीय कार्यालय सहित जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम से परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जा रही है। परीक्षा के दौरान केंद्र व्यवस्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सहित परीक्षा केंद्र के बाहर सुरक्षा में विंढमगंज थाने से पुलिस प्रशासन तैनात रहे।

ग्राम पंचायत बरवार में सड़क निर्माण की उठाई मांग

चित्रकूट, । ग्राम पंचायत बरवार की प्रधान नीलम देवी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर गांव में डामर रोड निर्माण की मांग की है। बताया कि बचऊराम का डेरा, जयराम का डेरा (टंकी पुरवा) व राजा का डेरा जैसे मजरे आज भी सड़क सुविधा से वंचित हैं, सरकारी नक्शे में इन सड़कों की चौड़ाई 40 फीट दर्ज है, लेकिन अब तक इनका निर्माण नहीं हुआ है। बरसात के दिनों में यह रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे मरीजों को अस्पताल ले जाना व बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल हो जाता है।

अध्यक्ष पद को दो प्रत्याशी आमने–सामने

मऊ/चित्रकूट, । बार एसोसिएशन मऊ के चुनावी समर में प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। पूर्व अध्यक्ष एवं एल्डर कमेटी के वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट प्रफुल्ल चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार को नामांकन के अंतिम दिन अध्यक्ष पद को एडवोकेट अशोक कुमार त्रिपाठी व एडवोकेट इन्द्रनारायण मिश्र ने पर्चा दाखिल किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद को एक नामांकन व महामंत्री पद को दो नामांकन पत्र खरीदे गए।

फैसिलिटी सेंटर के कांफ्रेंस हॉल में स्वयं पाठ्यक्रम की तैयारी जोरों पर

आजमगढ़। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ में राजभवन के निर्देश के क्रम में स्वयं पोर्टल पाठ्यक्रमों पर बृहद सेमिनार और कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिससे न सिर्फ विश्वविद्यालय की छात्र–छात्राएं अपितु सभी प्राध्यापक भी लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रवेश कुमार सिंह ने अवगत कराया कि इस बाबत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० संजीव कुमार के मार्गदर्शन में एक आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें समस्त संकायाध्यक्ष एवं समस्त विषय संयोजक मूल रूप से अपने अपने विषय के प्रभारी होंगे। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो0 इमरान अजीज विगत एक माह से इस आयोजन के लिए अपनी पूरी टीम के साथ सक्रिय रूप से कार्यक्रम को पूर्णता प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि या मुख्य वक्ता के रूप में आईआईटी कानपुर की प्रोफेसर अंगना सेन गुप्ता का विश्वविद्यालय में पदार्पण हो रहा है। कुलसचिव विश्वेश्वर प्रसाद ने समस्त विषयों पाठ्यक्रमों के संकायाध्यक्षों विषय संयोजकों एवं समस्त प्राचार्य आदि जिसमें राजकीय डिग्री कॉलेज अनुदानित डिग्री कॉलेज और स्व वित्त पोषित महाविद्यालय को उचित दिशा निर्देश कुल सचिव ने समस्त जिम्मेदार लोगों को पत्राचार के माध्यम से अवगत करा दिया गया है।

डीएम ने कंपोजिट विद्यालय डारीडीहा का किया आकस्मिक निरीक्षण

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने विकास खण्ड सदर के कम्पोजिट विद्यालय डारीडीहा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक उपस्थित रहें, जिसमें 08 सहायक अध्यापिका, 02 अनुदेशिका, 03 शिक्षामित्र (पुरूष) 01 शिक्षामित्र (महिला) है। उक्त विद्यालय मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय के रूप में चयनित है। निरीक्षण के दौरान उन्होने कक्षा-8 की छात्राओं से न्यूट्रॉन, इलेक्ट्रॉन व प्रोट्रॉन परमाणु व कक्षा-7 की छात्रा से हिन्दी विषय के बारे में पूछा। छात्राओं द्वारा सन्तोषजनक उत्तर दिया गया। उन्होने मध्यान्ह भोजन में बनी रोटी व सब्जी को चख कर देखा और गुणवत्ता ठीक पाया। विद्यालय में पुस्तकालय, विज्ञान लैब, कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट कक्ष आदि का अभी कार्य प्रस्तावित है। उन्होने कार्यदाई संस्था से यथाशीघ्र योजना बनाकर कार्य प्रारम्भ करने का निर्देश दिया।

राजकीय चिकित्सालय में जनरल सर्जरी के लिए नहीं किया जा रहा दूरबीन से ऑपरेशन

काशीपुर। राजकीय चिकित्सालय में जनरल सर्जरी के लिए आई लैप्रोस्कोपिक (दूरबीन से ऑपरेशन) मशीन का प्रयोग नहीं हो रहा है। इस दौरान इस सुविधा का लाभ लेने के लिए मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर जाना पड़ रहा है। एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय में जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, रामनगर, अलीगंज, ठाकुरद्वारा, सुल्तानपुर पट्टी, बिजनौर समेत पर्वतीय इलाकों से मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। करीब दो साल पूर्व चिकित्सालय में तत्कालीन सर्जन के कार्यकाल में मरीजों को निजी अस्पताल जैसी सुविधा मुहैया कराने के लिए दूरबीन मशीन मंगाई गई थी। उन्होंने दो मरीजों के जनरल ऑपरेशन भी किए थे। इसके बाद मशीन अचानक खराब हो गई। मरम्मत के लिए मशीन कंपनी भेजी गई। वहां से आने के बाद अब अस्पताल की ओटी में यह मशीन रखी है। पदोन्नति पाकर डॉ- एचसी पंत का स्थानांतरण नैनीताल हो गया है। चार महीने पहले अस्पताल में संविदा पर सर्जन भी तैनात हो गए हैं। इसके बावजूद मरीजों को इस सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है। अभी भी केवल चीरे वाले ऑपरेशन ही हो रहे हैं। लैप्रोस्कोपिक मशीन से ऑपरेशन कराने के लिए सर्जन से कहा जाएगा। यदि मशीन में कोई कमी होगी तो उसे ठीक करा दिया जाएगा। मरीजों को इस सुविधा का लाभ देने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा को लेकर कुमाऊं और गढ़वाल के बीच रोडवेज की बस सेवा भी प्रभावित

काशीपुर। कांवड़ यात्रा को लेकर कुमाऊं और गढ़वाल के बीच रोडवेज की बस सेवा भी प्रभावित हो गई है। काशीपुर से देहरादून, मेरठ, हरिद्वार, चंडीगढ़ व दिल्ली रूटों पर सर्वाधिक दिक्कतें आ रही हैं। इन रूटों पर बसों का रूट डायवर्ट होने से यात्रियों को अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। काशीपुर डिपो से विभिन्न रूटों पर डिपो और अनुबंधित करीब 50 बसों का संचालन होता है। इन दिनों हरिद्वार से गंगाजल लेकर शिवभक्त गंतव्यों को लौट रहे हैं। ऐसे में कावड़ यात्रा के चलते कई मार्ग आम यातायात के लिए बंद कर दिए गए हैं। डायवर्जन के कारण कई रूटों पर रोडवेज बसों का किराया बढ़ा दिया गया है। रूट काफी लंबे होने से बसों का टाइम टेबल भी बिगड़ गया है और यात्री परेशान हो रहे हैं। काशीपुर से देहरादून, हरिद्वार और चंडीगढ़ जाने वाली बसों को काफी घूमकर जाना पड़ रहा है। बदले रूट से संचालन के कारण देहरादून के किराये में करीब 100 रुपये तक का इजाफा हुआ है। काशीपुर डिपो के वरिष्ठ केंद्र प्रभारी हरेंद्र सिंह नितवाल ने बताया कि शनिवार को धामपुर से बसों को वापस लौटा दिया गया। जबकि रविवार को दो बसों को जसपुर में ही रोककर लौटा दिया गया। दिल्ली जाने वाली बसों को बृजघाट से डायवर्ट किया जा रहा है।

न्यायालय की नोटिस के बाद भी हाजिर नहीं हुआ आरोपी

रेनुकूट,सोनभद्र। पिपरी थाना पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 179/2022 धारा- 407 / 419 / 420 / 467 / 468 / 471 भारतीय दण्ड विधान से सम्बन्धित अभियुक्त राहुल कुमार साव पुत्र लाल साव निवासी ग्राम केन्दुआ बाबन्डिहा, थाना मयूरहण्ड, जिला चतरा, झारखण्ड जो उपरोक्त मामले में लगातार फरार चल रहा है। न्यायालय के निर्देश पर अभियुक्त के घर पर पिपरी पुलिस ने घर पहुँच कर मुनादी कराते हुए धारा 82 सीआरपीसी की नोटिस चस्पा किया। इसके बाद भी अभियुक्त न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ। चौकी प्रभारी रेनुकूट राजेश चौबे ने बताया कि आरोपी हिण्डालको से एलुमिनियम की गाड़ी गायब कराया था जिसके खिलाफ स्थानीय थाना पर सुंसगंत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया। यदि अभियुक्त हाजिर नहीं होता है तो न्यायालय के आदेश से उसके घर की कुर्की की जायेगी।

अज्ञात वाहन और बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत और दूसरा घायल

दुद्धी,सोनभद्र। कोतवाली क्षेत्र के मझौली गांव के मडीला महुआ में अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरे को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय देव कुमार पुत्र अशर्फी सिंह व 17 वर्षीय सूर्यप्रकाश पुत्र तेज प्रताप दोनों निवासी कादल अपने बाइक से किसी काम से मूर्धवा रेनुकूट की तरफ जा रहे थे कि मझौली गांव के मडीला महुआ में अज्ञात वाहन के धक्के से दोनों घायल हो गए। आनन फानन में सोमवार की भोर लगभग 4 बजे दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी पर भर्ती कराया गया। जहाँ पर मौजूद चिकित्सक ने देव कुमार को मृत घोषित कर दिया। वही घायल सूर्यप्रकाश को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि मृतक के दो लड़की और एक लड़का कुल तीन बच्चे है। जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है।

जिलाधिकारी ने बोर्ड परीक्षा के विभिन्न केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

हमीरपुर। जनपद में यूपी बोर्ड की परीक्षाओं को नकलविहीन, शांतिपूर्ण व सुचारू रूप से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से तथा बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं के अवलोकन के दृष्टिगत आज जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने बोर्ड परीक्षा के विभिन्न केंद्रों राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हमीरपुर, राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर, इस्लामिया इंटर कॉलेज, श्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रमेड़ी का औचक निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि यूपी बोर्ड परीक्षा का आज यह पहला दिन था।परीक्षा केंद्रों पर जिलाधिकारी ने स्वयं विभिन्न परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया, जिसमें परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से नकल विहीन सम्पन्न होती पाई गई। कोई भी आपत्तिजनक सामग्री नही पाई गई। कहा कि परीक्षा अवधि में कोई भी कक्ष बंद न रखें, सभी कक्ष खुले/ दृश्य होने चाहिए। जिलाधिकारी ने इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी रूम का निरीक्षण किया। इस मौके पर कैमरे चलित अवस्था में रिकार्डिंग की व्यवस्था सहित पाए गए। परीक्षा केंद्रों के अलावा जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बने कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्रों पर बनाए गए स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया। कहा कि पेपर समुचित सुरक्षा व्यवस्था में रखे जाए। केंद्र व्यवस्थापक से कहा कि सभी विषयो के पेपर क्रमसः अलग अलग रख कर आलमारी में रखे जाय। आलमारी को सील रखा जाए। प्रश्नपत्रों को खोलने के पहले विषय ,तिथि आदि का भली भांति पूर्वक अवलोकन कर लिया जाय इसमे किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान संबंधित विद्यालय के केंद्र व्यवस्थापक, प्रधानाचार्य तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

शांतिभंग होने पर धारा 163 के तहत होगी कार्रवाई

बांदा, । बोर्ड परीक्षाओं के साथ ही महाशिवरात्रि, होली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर जिलाधिकारी जे. रीभा ने बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आदेश के मुताबिक निषेधाज्ञा 20 फरवरी से 18 अप्रैल तक प्रभावी रहेगी। जिले में विभिन्न धार्मिक संगठनों व राजनैतिक गतिविधियों समेत आगामी हाईस्कूल, इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं व अन्य परीक्षाओं, रामनवमी, महावीर जयन्ती, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन्म दिवास, गुड फ्राइडे आदि त्योहारों समेत अन्य कार्यक्रमों के मद्देनजर कानून व्यवस्था व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए धारा 153 प्रभावी कर दी गई है। उक्त के दृष्टिगत समाज विरोधी व अराजकतत्व, कानून व्यवस्था को प्रभावित करने व लोक व्यवस्था को अस्त–व्यस्त करके समाज में भय, आतंक व दहशत का वातावरण उत्पन्न कर जनमानस के अमन–चैन व सामान्य शान्ति को प्रभावित करने का प्रयास करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

पालतू कुत्ते के हमले से बचने के लिये उठाई ईंट तो तीन मनबढ़ों ने युवक को मारपीट कर किया लहूलुहान

चदौली। अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रहे पंडित का पुरवा गांव निवासी एक युवक पर सोमवार पूर्वाह्न उसी गांव के एक व्यक्ति के पालतू कुत्ते ने हमला कर दिया जिससे बचने के लिए कुत्ते को भगाने की नियत से ईंट का टुकड़ा उठाकर फेंकने को लेकर कुत्ते के स्वामी व उसके पुत्र ने युवक को मारपीट कर पत्थर से सिर फोड़कर घायल कर दिया। जिसके बाद लहुलुहान युवक ने भाई के साथ कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर दी। पुलिस ने घायल युवक को ईलाज के लिए महिला चिकित्सालय पी पी सेंटर में भर्ती कराया। जानकारी के मुताबिक मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कटारिया पुलिस चौकी क्षेत्र के पंडित का पुरवा गांव निवासी 38 वर्षीय रमेश पटेल अपने बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए गया हुआ था। वह स्कूल छोड़कर वापस आ रहा था तभी इस गांव के एक व्यक्ति का खुला छोड़े हुये पालतू कुत्ते ने रमेश पर हमला कर दिया। रमेश के मुताबिक उसने कुत्ते से बचने के लिए ईंट का टुकड़ा उठाकर उसकी तरफ फेंका जिससे आक्रोशित होकर उस कुत्ते के मालिक व उसके पुत्र सूरज और उसके साथ के एक अन्य युवक ने उसे मारपीटकर ईंट से सिर फोड़कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। भुक्तभोगी ने अपने भाई संग कोतवाली आकर लिखित तहरीर दी है। फिलहाल पुलिस ने घायल युवक को ईलाज के लिए महिला चिकित्सालय पीपी सेंटर भर्ती कराकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर अब पुष्टाहार मिलेगा फेस स्कैनिंग के बाद

काशीपुर। आंगनवाड़ी केंद्रों पर अब पुष्टाहार फेस स्कैनिंग के बाद मिलेगा। इसके लिए सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को वाईफाई से लैस किया जा रहा है। जिन केंद्रों पर अभी तक यह व्यवस्था लागू नहीं हुई है, उनसे स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। इससे आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों में रोष है। आंगनवाड़ी संघ ने इसके विरोध में आंदोलन करने की बात कही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा अभी तक मोबाइल और पोषण ट्रैकर के माध्यम से पुष्टाहार का वितरण ऑनलाइन किया जा रहा था। अब सभी केंद्रों पर पुष्टाहार का वितरण महिलाओं और बच्चों के फेस स्कैन करने के बाद किया जाएगा। अभी तक आधे से अधिक केंद्रों पर वाईफाई की सुविधा दे दी गई है। फरवरी माह से यह व्यवस्था लागू होनी थी, लेकिन अधिकांश केंद्रों पर अभी नई व्यवस्था काम नहीं हो सका है। इसका कारण वाईफाई नेटवर्क न होना बताया जा रहा है। अतिरित्त दबाव डाले जाने से कार्यकर्त्रियों में रोष है। उनका कहना है कि उनके पास न फोन है, न रिचार्ज की सुविधा। महिला सशत्तिकरण और बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का शोषण करने पर तुला है। आंगनबाड़ी संघ की ब्लॉक अध्यक्षा सुनीता चौधरी का कहना है कि अधिकांश कार्यकर्ता निम्न आय वर्ग से आती हैं।

सात सूत्री मांगों को लेकर सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ का धरना

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ के द्वारा मंगलवार को सात सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना आईआईटी आईएसएम के मुख्य गेट पर दिया गया। संघ के कार्यकर्ताओं ने जमीन पर बैठकर प्रबंधन के विरुद्ध अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में संघ के सैकड़ों सुरक्षा प्रहरी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरख राम ने एवं संचालन महामंत्री प्रभात कुमार सिंह ने किया। धरणा को सफल करने के लिए भारतीय मजदूर संघ धनबाद जिला के अध्यक्ष सुनील कुमार,मंत्री धर्मजीत चौधरी एवं कई कार्यकर्ताओं ने अपना सहभागिता दिया। धरनार्थियों ने बताया कि धरना की पूर्व सूचना आईएसएम प्रबंधन, एस डी एम धनबाद को दी गई थी। इसके बावजूद धरना स्थल पर आईआईटी प्रबंधन एवं स्थानीय पुलिस के द्वारा सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ के धरना को असफल करने का काफी प्रयास किया गया। प्रबंधन अगर 7 सूत्री मांगों पर तुरंत विचार नहीं करती है तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। बताया गया कि संघ का एक प्रतिनिधिमंडल भारतीय मजदूर संघ के केंद्रीय नेतृत्व के साथ मिलकर शीघ्र ही मंत्रालय में मंत्री से मिलने का समय लेगी और अपने समस्याओं को लेकर उनसे वार्ता करेगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज साव,जितेंद्र सिंह, तेजनारायण शर्मा,अरविंद सिंह,इंद्रजीत सिंह,दीपक ओझा,लालजीत भारती,बजरंग शर्मा का सहयोग रहा।

आजम खान के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम सलाखों से आए बाहर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

हरदोई/लखनऊ। धोखाधड़ी के मामले में 17 महीने बाद हरदोई जेल में बंद समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री आजम खान के बेटे एवं पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खान मंगलवार को रिहा हो गए। कोर्ट से उनकी जमानत मंजूर होने के बाद सोमवार को रिहाई का परवाना जेल प्रशासन को भेजा गया था। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में मिली थी 7 साल की सजा अब्दुल्ला आजम को दो जन्म प्रमाण पत्र रखने के मामले में अक्तूबर 2023 में कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उन्हें रामपुर जिला जेल भेजा गया था। सुरक्षा कारणों से बाद में उन्हें हरदोई जेल में शिफ्ट किया गया था, जबकि उनके पिता आजम खान को सीतापुर जेल भेजा गया था। उनकी मां तजीन फातमा को भी जेल भेजा गया था, लेकिन वह पहले ही जमानत पर रिहा हो चुकी हैं। जमानत में कोर्ट ने लगाईं ये चार शर्तें 1 -वे बिना न्यायालय की अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे। 2-प्रत्येक सुनवाई तिथि पर अदालत में हाजिर होंगे। 3-गवाहों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे। -विचारण में पूरा सहयोग देंगे। समाजवादी समर्थकों में खुशी अब्दुल्ला आजम की रिहाई की सूचना के बाद उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। तमाम समर्थक जेल गेट पर जमा हो गए। उनके अधिवक्ता नासिर सुल्तान ने बताया कि जमानत मंजूर होने के बाद कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं और सोमवार को रिहाई का आदेश जारी हुआ। मंगलवार को औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

जमानत में कोर्ट ने लगाईं ये चार शर्तें

1 -वे बिना न्यायालय की अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे।
2-प्रत्येक सुनवाई तिथि पर अदालत में हाजिर होंगे।
3-गवाहों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे।

निरसा विधानसभा के मैथन क्षेत्र में कोयले की अवैध उत्खनन के साथ, कई अवैध कोयले का भट्ठा जोरो से चल रहा है

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिरकुंडा / धनबाद । मैथन क्षेत्र के अंतर्गत बरमूड़ी ओसीपी के बंद पड़े, कोयले का खदान से, कोयले की अवैध उत्खनन जोरो से चल रहा है। उत्खनन किए हुए कोयले को स्थानीय कई भट्ठों में खपाया जाता है। बरमूड़ी ओसीपी के नजदीक ही बीपीसेट भट्ठा है। आजकल यह कोयले का भट्ठा बना हुआ है। यहां कच्चा कोयला स्टॉक कर, भट्ठा में पोड़ा कोयला बनाकर साथ ही कच्चा कोयला बेचने का काम करता है। काली माटी गांव में कोयल का अवैध भट्ठा चल रहा है। इसी भट्टे के मालिक के देख रेख, में बरमुडी ओसीपी में अवैध कोयला का उत्खनन होता है। टूनाघुटु गांव में दो अवैध कोयले के भट्टे जोरो से चल रहा है। कोयले की अवैध उत्खनन के संबंध में बरमूड़ी ओसीपी के एजेंट, से बात किया तो उन्होंने बात करने से साफ मना कर दिया। यहां से इसीएल का प्रतिदिन सैकड़ो टन? कोयला का चोरी हो रहा है। आखिर इस इसका जिम्मेदार कौन है ?

शांति समिति की बैठक में बताई शासन की गाइड लाइन

● डीएम और एसपी ने धर्मगुरुओं व पदाधिकारियों के साथ की बैठक

बांदा, । कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में डीएम जे.रीभा और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल मौजूद रहे। इस दौरान धर्मगुरुओं और जागरूक लोगों को संबोधित करते हुए त्योहारों में शांति व्यवस्था बनाए रखने की बात कही। साथ ही शासन से मिले आदेशों और निर्देशों के बारे में सभी को अगवत कराया गया। बैठक में सभी धर्मगुरुओं, पदाधिकारियों व सम्भ्रान्त व्यक्तियों से वार्ता कर आगामी त्यौहारों महाशिवरात्रि, रमजान, होली, नवरात्रि आदि पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराये जाने तथा कानून व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के सम्बन्ध में वार्ता कर शासन द्वारा जारी आदेशों-निर्देशों के बारे में अवगत कराया। साथ ही सभी के सुझाव भी लिये गये। बैठक में सभी से आगामी त्यौहारो को शान्ति पूर्वक व परम्परागत तरीके से मनाने की अपील की। किसी नई धार्मिक परम्परा को बिना अनुमति शुरु न करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। अफवाहों पर ध्यान ना देनें तथा किसी भी प्रकार की समस्या, घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। सोशल मीडिया पर अराजकता फैलाने व साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान चल रहे यूपी बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत तेज ध्वनि (साउंड पॉल्यूशन) के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया जायेगा जिससे छात्रों, परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो, विशेषकर उन स्थानों पर जहां मैरिज गार्डेन, तेज आवाज़, पार्टी, शोर और अनावश्यक ध्वनि के कारण परीक्षार्थियों, स्थानीय निवासियों को असुविधा होती है। सभी प्रकार के ध्वनि प्रदूषण जैसे कि डीजे, तेज म्यूजिक सिस्टम, सार्वजनिक आयोजनों में शोर और अन्य अव्यवस्थित ध्वनियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

टुल्लू पंप और धान चोरी, रिपोर्ट दर्ज

बांदा, । अतर्रा थाना क्षेत्र के पचोखर गांव निवासी शकील अहमद ने कोतवाली में दिए तहरीर पर बताया कि उसके खेत में बने ट्यूबवेल के कमरे से बीते 28 दिसंबर को अज्ञात चोरों ने घुसकर 20 बोरी धान व तीन इंची टूल्लू पंप को चोरी कर ले गये।

युवती को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने वाला हुसैनगंज पुलिस के हत्थे चढ़ा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर दिशा निर्देश द्वारा,थाना हुसैनगंज पुलिस को वादी मुकदमा प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय मुकदमा पंजीकृत करवाया, प्रतिवादी द्वारा वादी मुकदमा के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के बाद शादी से इनकार कर देना, व गाली गलौज करना जान से मारने की धमकी देने के संबंध में,बनाम बंटी कश्यप निवासी मोहल्ला सिजई जनपद शाहजहांपुर वर्तमान पता किराए का मकान गोलू गुप्ता मोहल्ला बिजली पूरा, तेज तर्रार थाना प्रभारी रामकुमार गुप्ता की सूझबूझ से आरोपी को गिरफ्तार किया, इस क्रम (मध्य) क्षेत्र में, डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धरपकड़ कर रही हैं,थाना हुसैनगंज प्रभारी निरीक्षक रामकुमार गुप्ता, के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है,

मनमानी कर उजाड़े जा रहे पटरी दुकानदार

❑ पटरी दुकानदारों ने ज्ञापन सौंपकर वेंडर जोन बनाए जाने की मांग की

बांदा, । जनता दल युनाइटेड महासचिव बिहारीलाल व महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष शालिनी पटेल की अगुवाई में पटरी दुकानदारों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। कहा कि उनके साथ अन्याय और प्रशासनिक मनमानी की जा रही है। आए दिन उन्हें किसी न किसी बहाने से उजाड़ दिया जाता है और उनकी दुकानें बंद करा दी जाती हैं। ऐसे में उन्हें रोजी-रोटी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ज्ञापन में जदयू नेताओं और पटरी दुकानदारों ने कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा मनमानी की जा रही है। विकास और अधिग्रहण का बहाना बनाकर आए दिन उनकी दुकानों पर बुल्डोजर चलाया जा रहा है, इससे वह अपनी रोजी-रोटी से वंचित हो रहे हैं। बिना किसी उचित वैकल्पिक व्यवस्था के गरीब दुकानदारों को उजाड़ना पूरी तरह से अन्याय पूर्ण है। जबकि दूसरी ओर शहर के अंदर सैकड़ों सरकारी जमीनों व तालाबों पर अवैध कब्जे किए गए हैं, जिन पर प्रशासन की कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जिला प्रशासन की यह दोहरी नीति गरीबों के प्रति अन्याय को दर्शाती है। कहा गया कि अब तक वेंडर जोन का निर्माण नहीं किया गया, जिससे नियमों का पालन नहीं हो रहा। पटरी दुकानदारों की पहचान कर उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत आर्थिक सहायता और पहचान पत्र भी नहीं दिए गए हैं।

यह संपूर्ण लापरवाही जिला प्रशासन व नगर पालिका की है। स्ट्रीट वेंडरों के प्रति जिला प्रशासन की दमनकारी कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाए जाने, उनके लिए नियमानुसार वेंडर जोन का निर्माण कर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने आदि की मांग की गई। इस दौरान श्रीराम प्रजापति, विजयपाल के अलावा पटरी दुकानदार विनोद, राजा, उमेश साहू, सुनील कुमार, कपिल देव, भूरा, निजाम, लालाभइया, गुलाब निषाद, रमजानी, तेजकली, मेवा, अनिल, गोविंद, कल्लू, सचिन, राकेश कुमार, रामशरन, गया प्रसाद आदि मौजूद रहे।

बिना पानी के बिल स्वीकार्य नहीं

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संदीप बंसल ने जलकल विभाग से बिना पानी के कनेक्शन बिल भेजने और व्यापारियों को धमकाने पर घोर आपत्ति जताई है। संदीप ने व्यापारियों के साथ बैठक कर तत्काल इस पर निर्णय लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि लखनऊ महानगर के विभिन्न बाजारों से निरंतर जलकल विभाग के कर्मचारियों द्वारा व्यापारियों को डराने धमकाने के फोन भी किया जा रहे हैं और वसूली की मांग भी की जा रही है। जो किसी कीमत पर स्वीकार योग्य नहीं है। संगठन के महानगर के अध्यक्ष सुरेश छाबलानी ने बताया कि गुरुवार को मुख्यालय पर प्रमुख बाजारों के प्रतिनिधियों की एक बैठक बुलाई गयी है। इसी दिन बैठक कर संगठन द्वारा अगली रणनीति तैयार करते हुए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

महिला दिवस पर आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों में महिला दिवस पर विविध आयोजन होंगे। इसमें भाषण प्रतियोगिता के तहत दहेज प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह पर प्रतिबंध, विकसित भारत की संकल्पना, वृद्धाआश्रम की जरूरत क्यों है, कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान जैसे विषय होंगे। इसी तरह नाट्य प्रस्तुति में श्रवण कुमार की अपने माता-पिता के प्रति भक्ति, अहिल्या बाई होल्कर, द्रौपदी चीर हरण, भगवान श्रीकृष्ण का अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश, राम वनवास, भरत मिलाप का मंचन होगा। प्रतियोगिता पहले संबद्ध संस्थानों के स्तर पर होगी। उसमें से प्रथम और द्वितीय विजेता के बीच विश्वविद्यालय स्तर पर चयन होगा। इसके प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले की प्रतियोगिता छह विश्वविद्यालयों के समूह के बीच होगी। इसके बाद राजभवन में प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। संस्थान स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित कर प्रथम और द्वितीय विजेता की सूची विश्वविद्यालय को 1 मार्च तक देना है।

किसान सम्मान निधि से किसानों का जीवन हो रहा खुशहाल: राजेश शुक्ला

सीतापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसान सम्मान निधि की 19 किस्त डिजिटल माध्यम से जारी की गई। इस अवसर पर जिले की विकासखंड बिसवां के कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय किसानों व उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सजीव प्रशासन सुना । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि किसान सम्मान निधि से किसानों का जीवन खुशहाल हो रहा है इससे किसान की रोजमर्रा की जरूरत पूरी हो रही है। और किसान रोजमर्रा की जरूरतों की पूर्ति के लिए कर्ज से मुक्त हो रहा है जिससे किसान अपनी उपज पर विशेष ध्यान दे पा रहा है। आज प्रधानमंत्री जी द्वारा 19वीं किस्त जारी की गई है जो कि किसानों के खाते में पहुंच गई है इससे किसान सीधे लाभान्वित हो रहा है और विकसित भारत की तरफ बढ़ रहे विजन में अपनी भूमिका निभा रहा है! जिला उपाध्यक्ष गन्ना चेयरमैन बिसवां सुधाकर शुक्ला ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत किसानों को हो रहे लाभ के विषय में विस्तार से बताया तथा कार्यक्रमआए हुए क्षेत्रीय किसानों का आभार जातया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की अध्यक्ष कंचन प्रभाव पांडे कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉक्टर दयाशंकर श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारी पदाधिकारी व किसान भाई उपस्थित रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना जायस का किया गया अर्धवार्षिक निरीक्षण

अमेठी। अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार द्वारा सोमवार को थाना जायस का वार्षिक निरीक्षण किया गया जिसमे थाना परिसर, कार्यालय, शस्त्रागार, दंगा नियन्त्रण उपकरण, मेस, बैरिक, महिला हेल्प डेस्क व अभिलेख के रख-रखाव आदि का निरीक्षण किया गया जिसपर थाना परिसर, कार्यालय आदि की साफ-सफाई व रजिस्टरों का रखरखाव संतोषजनक पाया गया। प्रभारी निरीक्षक जायस एवं उपस्थित अन्य अधिकारी/कर्मचारियों को अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचना व शिकायती प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के आवश्यक निर्देश दिये गये।

एनएचएम संविदा कार्मिकों के लिए नीति एवं समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर संगठन ने वेतन आयोग को सौंपा सुझाव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश द्वारा 8वें वेतन आयोग के संबंध में एनएचएम संविदा कार्मिकों के वेतनमान एवं सेवा नीति पर सुझाव प्रस्तुत किया गया। संगठन ने रिज़वी कमेटी (2013) की संस्तुतियों को आधार बनाते हुए समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग की, जिससे संविदा कर्मचारियों को भी नियमित कर्मचारियों की भांति वेतन और सुविधाएँ प्राप्त हो सकें। इस संबंध में विधान भवन स्थित वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव को एक पत्र सौंपा गया। साथ ही, वेतन आयोग अनुभाग-2 के विशेष सचिव पुष्पेंद्र से विस्तृत चर्चा हुई। चर्चा के दौरान उन्होंने संगठन को आवश्यक जानकारी प्रदान की और आश्वासन दिया कि जब वेतन आयोग समिति की बैठक होगी, तब इस विषय को गंभीरता से लिया जाएगा। इस दौरान संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता भी उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन की ओर से एनएचएम संविदा कर्मचारियों के हितों की रक्षा और समान वेतन की आवश्यकता पर जोर दिया। संघ के महामंत्री ने कहा कि एनएचएम संविदा कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों की भांति वेतन और सुविधाएँ मिलनी चाहिए। सरकार को इस दिशा में जल्द ठोस नीति बनानी चाहिए। संगठन इस मुद्दे को लगातार उठाता रहेगा और जब भी कमेटी की बैठक होगी, संघ पुनः इस पर कार्य करेगा। संघ की इस पहल से एनएचएम संविदा कर्मचारियों के वेतनमान एवं सेवा सुरक्षा को लेकर एक नई उम्मीद जगी है। संगठन अपने संघर्ष को और तेज करेगा, ताकि संविदा कर्मचारियों को उनका हक मिल सके।

चौकी इंचार्ज जेल दबंगों का दे रहे साथ न्याय के लिए भटक रही पीड़िता

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र की बानडीह उर्फ मिश्रौलिया निवासी सुभावती देवी पत्नी वंश बहादुर ने अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर को शिकायती पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाया है। स्थानीय पुलिस का रवैया ठीक न होने के कारण मजबूर होकर पीड़िता ने अपर पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजा है। सुभावती का कहना है कि वह मायके में रहकर अपने माता-पिता की जमीन पर काबिज है तथा अपना व अपने बच्चों के साथ जीवनयापन कर रही है।विरोधी नन्दलाल पुत्र जगेसर, साकिन बेलाडी रानीपुर थाना-नगर फर्जी तरीके से दीवानी न्यायालय में मुकदमा दाखिल कर बेवजह उनकी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से मकान निर्माण में आये दिन दखल देते रहते है। उनका कहना है कि 19 फरवरी को अपने सहन पर नीव खोद रही थी कि नन्दलाल और उनकी पत्नी आशा,बेलाडी से आकर उनके घर पर चढ़ गई और गाली देने लगे। डायल 112 बुलाकर काम को रोकने लगे। जेल गेट के चौकी इंचार्ज नन्दलाल ने मां बेटी को जेल भेजने की धमकी देते हुए काम रोकवा दिया। बेटी खुशबू उर्फ अशु को शान्ति भग में चालान कर दिया। बेटी अब गहरे सदमे मे है। इस मामले में सारे सबूत और गवाहों को दरकिनार कर स्थानीय पुलिस परिवार को बार-बार परेशन क रही है। पीड़ित सुभावती ने निर्माण कार्य करने की अनुमति देते हुए चौकी इंचार्ज सहित सभी पुलिस कर्मियों की जांच कराकर उनके ऊपर कार्यवाही करने की मांग किया है।

दो गांवों में बिजली विभाग ने 70 बकायेदारों के बिजली कनेक्शन काटे

परसदेपुर, रायबरेली। बिजली विभाग का लगातार अभियान जारी है।बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं ।सोमवार को परसदेपुर उपकेंद्र के कर्मचारियों ने क्षेत्र के पूरे पंडित मजरे सुरैया मुवक्किलपुर व संतनगर में 70 घरों के बिजली का कनेक्शन काट दिया इतनी बड़ी कार्यवाही से लोगों में हड़कंप मच गया। अवर अभियंता राजेश कुमार ने बताया लोगों से बिल जमा करने के लिए कई बार कहा जा चुका हैं लेकिन लोग जमा नहीं करते है इस लिए कनेक्शन काटना पड़ता है।

चोरी की 22 बाइक के साथ 7 बाइक चोर गिरफ्तार

● पुलिस टीम की बड़ी सफलता पर एसपी ने 25000 रुपए का दिया नकद पुरस्कार
● रात में बैंड बाजा बजाते समय करते थे रेकी

अमेठी। जनपद में पुलिस ने सात बाइक चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की 22 मोटरसाइकिलो को बरामद किया है।इस बाइक चोर गैंग के दो सदस्य शादी विवाह में बैंड बजाने का काम करते थे और शादियों में खड़ी मोटरसाइकिलो कि रेकी करने के बाद उसे पार कर देते थे।इन बाइको की किसी को भनक न लगे इसलिए चोर इन बाइको को बेडरूम में छिपाकर रखते थे।एसपी ने मामले का खुलासा करते हुए पुलिस टीम को 25 हजार रुपए का नगद इनाम दिया है।अमेठी में पुलिस ने देर रात सात शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की 22 मोटरसाइकिले बरामद किया है।मामले का अमेठी एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने एसपी आफिस सभागार में खुलासा किया है और गिरफ्तार करने वाली टीम को 25 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है।इस अंतर्जनपदीय बाइक चोर गिरोह का सरगना जुनैद है जिस पर गैंगेस्टर समेत 13 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है।तीन अन्य आरोपियों पर कई आपराधिक मामले दर्ज है।जबकि तीन अन्य चोरों का पुलिस आपराधिक इतिहास खंगालने में जुटी हुई है।

पुलिस की माने तो गैंग के दो सदस्य शादियों में बैंड बाजा बजाने का काम करते थे और आसपास खड़ी बाइको की रेकी करते थे।मौका मिलते ही चोर उन बाइको को पार कर देते थे।लोग इन बाइको तक न पहुँच पाए इसलिए चोर इन बाइको को अपने बेडरूम में रखते थे। गैंग में एक कबाड़ी भी था जो गाड़ियों के पार्ट को अलग अलग काटकर जिले समेत आसपास के जिलों में बेचा करते थे।अभी तक चार बाइको की पहचान हुई है जो अयोध्या, सुल्तानपुर और आसपास के अन्य जिलों से चुराई गई थी। अन्य बाइकें कहां की है जांच में पुलिस जुटी हुई है।

मुस्लिम मां और पंजाबी पिता का बेटा है ये 44 साल का सुपरस्टार

एक्टर शाहिद कपूर का आज 44वां बर्थडे है। उन्होंने इश्क-विश्क, विवाह, जब वी मेट, हैदर, कबीर सिंह जैसी फिल्मों में काम किया है। एक वक्त था, जब शाहिद की इमेज चॉकलेटी हीरो वाली थी, लेकिन उन्होंने रोल के साथ एक्सपेरिमेंट्स करके प्रूव कर दिया कि वे इंटेंस लुक वाले रोल भी कर सकते हैं। हालांकि, इन रोल्स के परफेक्शन के लिए शाहिद को बहुत स्ट्रगल करना पड़ा और साथ ही कुर्बानियां भी देनी पड़ीं। कभी उन्हें स्ट्रिक्ट डाइट अपनाना पड़ी, तो कभी न चाहते हुए भी दिन में 20-20 सिगरेट पीनी पड़ीं। आज 44वें बर्थडे पर जानते हैं शाहिद कपूर की जिंदगी के वो फैसले, जो उन्होंने अपनी फिल्मों के खातिर लिए.. ऋतिक रोशन की वजह से शाहिद का शुरुआती सफर फ्लॉप रहा शाहिद ने फिल्म इश्क विश्क (2003) से बतौर हीरो बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म उन्हें 4 साल के स्ट्रगल और करीब 200 ऑडिशन में रिजेक्शन के बाद मिली थी। इसमें शाहिद के चॉकलेटी बॉय लुक को जनता ने बहुत पसंद किया। उन्हें फिल्मों के ऑफर भी मिलने लगे, लेकिन फिर भी कुछ लोगों ने शाहिद से कहा कि इस डेब्यू के बाद भी तुम्हारा कुछ नहीं हो सकता। दरअसल, शाहिद से 2 साल पहले ऋतिक रोशन ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। इंडस्ट्री वालों का कहना था कि वे सिर्फ 5 साल में एक ही नए एक्टर को हीरो के तौर पर अपना सकते हैं। उनका कहना सच हुआ। इसका सबूत यह रहा कि 2004 में शाहिद की 2 फिल्म फिदा और दिल मांगे मोर रिलीज हुईं, लेकिन दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिट गईं। इस बात का जिक्र शाहिद ने मिड डे इंडिया के इंटरव्यू में किया था। शाहिद ने डायरेक्टर से कहा था- मुझे फिल्म विवाह से निकाल दीजिए 2 साल गुजर जाने के बाद शाहिद 2005 में भी कमबैक करने की कोशिश करते रहे, लेकिन सफल नहीं हुए। उनकी फिल्म दीवाने हुए पागल, वाह लाइफ हो तो ऐसी और शिखर बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरीं। शाहिद जब करियर के बुरे फेज से लड़ रहे थे, तब सूरज बड़जात्या फरिश्ता बन कर आए। उन्होंने शाहिद को फिल्म विवाह का ऑफर दिया। सूरज एक सिंपल और गुड लुकिंग लड़के को फीचर करना चाहते थे। शाहिद के लिए फिल्म का कॉन्सेप्ट नया था। उस वक्त उन्हें खुद पर भरोसा भी नहीं था। वे अब और फ्लॉप फिल्म अफोर्ड करने की हालत में नहीं थे। फिर भी उन्होंने सूरज बड़जात्या के ऑफर को एक्सेप्ट कर लिया। लेकिन इस फिल्म की शूटिंग को सिर्फ 8 दिन हुए थे कि शाहिद, सूरज के पास गए और कहा- सर, अगर अभी भी आप किसी दूसरे एक्टर को कास्ट करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं। इस पर सूरज ने शाहिद से कहा कि तुम सिर्फ अपनी एक्टिंग पर फोकस करो, बाकी मैं संभाल लूंगा। डायरेक्टर का कहना मान कर शाहिद ने सिर्फ एक्टिंग पर फोकस किया। 10 नवंबर 2006 को रिलीज हुई फिल्म विवाह सुपरहिट साबित हुई। इसने शाहिद के करियर को नया मोड़ दिया। शाहिद के कहने पर करीना कपूर ने साइन की फिल्म साल 2007 भी शाहिद के लिए लकी रहा। इस साल रिलीज हुई फिल्म जब वी मेट को शाहिद की करियर की बेस्ट फिल्म का तगमा मिला। हालांकि, वे फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थे। शुरुआत में डायरेक्टर इम्तियाज अली ने बॉबी देओल को फिल्म में कास्ट किया था। बॉबी ने ही इम्तियाज को करीना का नाम सुझाया था। हालांकि, कुछ समय के लिए इम्तियाज को फिल्म की शूटिंग रोकनी पड़ी थी। वे किसी दूसरे प्रोजेक्ट में बिजी हो गए थे। काम पूरा करने के बाद जब उन्होंने जब वी मेट की शूटिंग शुरू करनी चाही तब बॉबी किसी दूसरे शूट में बिजी हो गए। फिर इम्तियाज ने आदित्य के रोल के लिए शाहिद और गीत के लिए करीना को चुना। वे दोनों की रियल लाइफलव स्टोरी को फिल्मी पर्दे पर उतारना चाहते थे। हालांकि, करीना इसके लिए तैयार नहीं थीं। फिर शाहिद के कहने पर उन्होंने फिल्म साइन की। इस बात का जिक्र इम्तियाज ने ळंसंजजं प्दकपं के इंटरव्यू में किया था। पैर में चोट लगने के बाद भी शूटिंग करते रहे 2007 के बाद शाहिद का फिर से बुरा दौर शुरू हो गया। 2008 से 2013 तक, किस्मत कनेक्शन, कमीने, दिल बोले हड़िप्पा, डांस पे चांस, पाठशाला, बदमाश कंपनी, मिलेंगे-मिलेंगे, मौसम, तेरी मेरी कहानी, फटा पोस्टर निकला हीरो जैसी फिल्में रिलीज हुईं। इनमें से सिर्फ किस्मत कनेक्शन ने बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई की। 2013 की फिल्म आर राजकुमार के जरिए शाहिद को फिर इंडस्ट्री में खोई हुई सक्सेस वापस मिल गई। यह फिल्म कॉमर्शियली हिट रही। हालांकि, फिल्म की शूटिंग के दौरान शाहिद को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहिद क्लाइमेक्स सीन्स की शूटिंग के दौरान घायल हो गए थे। उनके पैर का लिगामेंट फट गया था। वे बहुत दर्द में थे। फिर भी उन्होंने शूटिंग जारी रखी। वे 8 दिन तक फिजियोथेरेपी के साथ एक्शन सीन्स की शूटिंग करते रहे। जिस फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला, उसके लिए फीस चार्ज नहीं की 2014 से पहले शाहिद को अधिकतर फिल्मों में रोमांटिक और सॉफ्ट रोल में देखा गया था,किन फिल्म हैदर ने उनके करियर की कायापलट कर दी। हालांकि, इस फिल्म के लिए उन्होंने एक रुपए भी फीस चार्ज नहीं की थी। शाहिद ने कहा था- पूरी स्टारकास्ट में से सिर्फ मैंने ही फ्री में फिल्म की थी। मेकर्स का कहना था कि वे मुझे अफोर्ड नहीं कर पाएंगे। फिल्म की कहानी हटकर थी। फिल्म का बजट भी कम था। अगर मैं फीस की डिमांड करता तो मेकर्स का बजट बढ़ जाता। खैर बिना पैसे लिए ही मेरा भला हो गया। यह बातें शाहिद ने अनुपमा चोपड़ा के इंटरव्यू में कही थीं। शुरुआत से ही डायरेक्टर विशाल भारद्वाज हैदर में शाहिद को कास्ट करना चाहते थे। कहानी सुनने के तुरंत बाद शाहिद भी फिल्म में काम करने के लिए मान गए थे। यहां तक कि उन्होंने सिर भी मुंडवा लिया था। फिल्म की अधिकतर शूटिंग कश्मीर में हुई थी। शूटिंग के दौरान कई बार क्रू पर लोकल लोगों ने हमला किया था। इस वजह से शूटिंग को कई बार रोकना पड़ा था। हालांकि, जैसे-तैसे यह फिल्म बनकर रिलीज हुई। जब फिल्मों के लिए शाहिद ने दी फूड की कुर्बानी इसके बाद जिस फिल्म ने शाहिद को फिर से बेस्ट एक्टर का तगमा दिलवाया, वह थी 2016 की उड़ता पंजाब। इस फिल्म से शाहिद ने प्रूव कर दिया कि वे हर किस्म का रोल आसानी से कर सकते हैं। फिल्म में शाहिद ने ड्रग्स एडिक्ट टॉमी सिंह का किरदार निभाया था, जिसके लिए उन्होंने काफी मेहनत की थी। फिल्म के डायरेक्टर अभिषेक चौबे ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'शाहिद नॉनवेज, शराब और सिगरेट का सेवन नहीं करते हैं। नतीजतन, मैंने उन्हें ड्रग्स एडिक्ट का रोल प्ले करने के लिए बहुत सारी कॉफी पिलाई थी। वे बहुत कम खाते थे। मैं चाहता था कि वे नशेड़ी दिखें। जैसे कि एक नशेड़ी को खाने से ज्यादा नशे की लत होती है। शाहिद के साथ हमने यह फॉर्मूला अपनाया था।' 2018 की फिल्म पद्मावत के लिए भी शाहिद ने सबसे ज्यादा अपनी डाइट पर फोकस किया था। इसके लिए वे 14 घंटे की शूटिंग के साथ 2 घंटे जिम में पसीना बहाते थे। राजा-महाराजा की तरह बॉडी पाने के लिए उन्होंने 40 दिन तक स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो की थी। उनके डाइट चार्ट को कनाडा के शेफ केल्विन चेउंग ने तैयार किया था। इसके अलावा शाहिद ने 15 दिन तक नमक और चीनी से पूरी तरह से दूरी बना ली थी। कबीर सिंह के सेट पर रोज 20 सिगरेट पीते थे शाहिद शाहिद के करियर की बेस्ट फिल्मों की लिस्ट में 2019 की फिल्म कबीर सिंह का नाम शामिल है। 55 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 377 करोड़ की कमाई की थी। लुक के परफेक्शन के लिए शाहिद ने शूटिंग के दौरान ही वजन बढ़ाया और घटाया था। एक कामकाजी शराबी के रोल के लिए उन्होंने 8 किलो वजन बढ़ाया था, क्योंकि उन्हें फूला हुआ और बेडौल दिखना था। फिर उसी फिल्म में एक मेडिकल स्टूडेंट की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने 12 किलो वजन कम किया था। रियल लाइफ में कभी सिगरेट न पीने वाले शाहिद इस फिल्म की शूटिंग के वक्त दिन में करीब 20 सिगरेट पिया करते थे। इंडियन एक्सप्रेस के इंटरव्यू में शाहिद ने कहा था- मैं दिन में 20 सिगरेट पीता था। फिर घर लौटने से पहले 2 घंटे नहाता था, ताकि बच्चों और बाकी लोगों पर मेरे रोल की निगेटिविटी न पड़े। सेट पर हुए घायल, 25 टांके लगे कबीर सिंह के बाद शाहिद ने अपने रोल के साथ एक्सपेरिमेंट करना नहीं छोड़ा। 2022 की फिल्म जर्सी में शाहिद ने चंडीगढ़ के क्रिकेटर अर्जुन तलवार का रोल प्ले किया। इसके लिए उन्होंने क्रिकेट की ट्रेनिंग ली थी। एक दिन शूटिंग के दौरान हेलमेट नहीं पहनने की वजह से शाहिद के होंठ में चोट लग गई थी और उन्हें 25 टांके लगे थे। इस कारण उन्हें शूटिंग से 2 महीने का ब्रेक लेना पड़ा था। शाहिद ने इस घटना का एक वीडियो इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया था। हालांकि, शाहिद की मेहनत के बाद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गई। 60 करोड़ के बजट की इस फिल्म ने सिर्फ 30.75 करोड़ की कमाई की। आगे शाहिद को 2022 में फिल्म ब्लडी डैडी, 2024 में फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और 2025 में फिल्म देवा में देखा गया। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में उनको सॉफ्ट लुक में देखा गया, वहीं बाकी दोनों फिल्मों में उनका इंटेंस लुक देखने को मिला। आने वाले दिनों में शाहिद के पास कई बड़ी फिल्में हैं, जिनमें भी उन्होंने अपने रोल के साथ अलग-अलग एक्सपेरिमेंट्स किए हैं। इस लिस्ट में कॉकटेल 2, आवारा पागल दीवाना 2 जैसी फिल्में शामिल हैं। संजय लीला भंसाली/62, फिल्म में पैसा लगाकर बर्बाद हुए पितारूघर खर्च के लिए मां ने कपड़े सिलेय गुस्से की वजह से थ्ज्प्प् से निकाला संजय लीला भंसाली, आज ये नाम फिल्म इंडस्ट्री के बड़े डायरेक्टरों में शुमार है। भंसाली 62 साल के हो गए हैं। कभी 300 स्क्वायर फीट की चॉल में बेरंग दीवारों के बीच गुजारा करने वाले भंसाली, आज भारतीय सिनेमा के सबसे भव्य सेट्स और परफेक्शनिस्ट अप्रोच के लिए जाने जाते हैं।

शाहिद का OTT डेब्यू

- 2023 की सीरीज फर्जी से शाहिद ने ओटीटी डेब्यू किया था।
- फर्जी अब तक की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय स्ट्रीमिंग सीरीज है।
- राज और डीके के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज में विजय सेतुपति भी लीड रोल में थे।

चश्मा पहनने पर मेकर्स से भिड़ गए थे शाहिद

- फिल्म जब वी मेट में शाहिद चश्मा पहनना चाहते थे।
- हालांकि मेकर्स इसके खिलाफ थे।
- मेकर्स का कहना था कि फिल्म में हीरो चश्मा कैसे पहन सकता है।
- तब शाहिद ने कहा था कि गाने वाले सीन्स में चश्मा हटा दूंगा।
- शाहिद का कहना था कि वे इस फिल्म में अपने लुक को अलग रखना चाहते थे।

शाहिद का करीना से इश्क-विश्क, विवाद और ब्रेकअप

साल 2004 में फिदा फिल्म में काम करते हुए शाहिद कपूर और करीना कपूर एक दूसरे को दिल दे बैठे।

करीना ने खुद शाहिद से इम्प्रेस होकर उन्हें प्रपोज किया था। बार-बार प्रपोज किए जाने के बाद शाहिद ने उनका प्रपोजल कबूल किया था।

दोनों ने पब्लिकली अपना रिश्ता कबूल कर लिया। कई बार दोनों को पब्लिक प्लेस में एक दूसरे को किस करते देखा गया।

दोनों ने एक साथ फिदा, 36 चाइना टाउन, चुप चुपके, मिलेंगे-मिलेंगे और जब वी मेट में काम किया।

जब सामने आया MMS

शाहिद कपूर और करीना का किस करते हुए एक एमएमएस खूब वायरल हुआ था, लेकिन कपल ने इसे फेक बताया। दोनों ने कहा कि वीडियो में नजर आ रहा कपल कोई और है।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़ लखनऊ से प्रकाशित

पाकिस्तान की हार पर भड़के वसीम अकरम, जमकर सुनाई खरी-खोटी

वसीम अकरम काफी गुस्से में हैं। उन्होंने अपनी टीम में कई बड़े बदलाव करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि ऐसा करने से आप अगले 6 महीने तक हारते रहेंगे। लेकिन आपको अभी से ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी करनी होगी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों को भी जमकर लताड़ा है।

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के खिलाफ मुकाबले में मिली हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम काफी गुस्से में हैं। उन्होंने अपनी टीम में कई बड़े बदलाव करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि ऐसा करने से आप अगले 6 महीने तक हारते रहेंगे। लेकिन आपको अभी से ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी करनी होगी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों को भी जमकर लताड़ा है। वसीम अकरम के अनुसार पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों को वनडे क्रिकेट खेलने वाली 14 टीमों में दूसरा सबसे खराब है। वसीम अकरम ने ड्रेसिंग रूम शो में कहा कि, कठोर कदम उठाने की जरूरत है। हम सदियों से सफेद गेंद से पुरानी क्रिकेट खेल रहे हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है। निडर क्रिकेटरों, युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल करें। अगर आपको पांच-छह बदलाव करने हैं तो प्लीज करें। उन्होंने आगे कहा कि, आप अगले 6 महीने तक हारते रहेंगे। ये ठीक है, लेकिन अभी से 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम बनाना शुरू कर दीजिए। वसीम अकरम ने पाकिस्तान की गेंदबाजी की भी आलोचना की क्योंकि उनका वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे खराब औसत है। उन्होंने कहा कि, बस बहुत हो गया। आपने उन्हें स्टार बना दिया है। पिछले पांच वनडे मैचों में पाकिस्तान के गेंदबाज 60 की औसत से 24 विकेट लेने में सफल रहे हैं। यानी प्रति विकेट 60 रन। वसीम ने कहा कि, हमारा औसत ओमान और अमेरिका से भी खराब है। वनडे खेलने वाली 14 टीमों में पाकिस्तान का गेंदबाजी औसत दूसरा सबसे खराब है। साथ ही वसीम अकरम ने चौंपियंस ट्रॉफी के लिए चयन पर भी सवाल उठाए और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से कोच, कप्तान और चयनकर्ताओं से सवाल करने को कहा।

विराट की बराबरी करने चले थे बाबर

बीच रास्ते गड्ढे में गिरे, पाकिस्तानी दिग्गजों ने भी लताड़ा

दुबई। बाबर ने अब तक 128 वनडे खेले हैं। इसकी 125 पारियों में उन्होंने 55.50 की औसत से 6106 रन बनाए हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 158 रन की रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को दुबई में महामुकाबला खेला गया। टीम इंडिया ने इस मैच में छह विकेट से आसान जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की बल्लेबाजी फिर फ्लॉप रही। टीम को अपने सबसे अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम से काफी उम्मीद थी, लेकिन वह 26 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हो गए। बाबर के फैंस उनकी अक्सर विराट कोहली से तुलना करते हैं। विराट के स्टैट से बाबर को जोड़कर देखा जाता है। हालांकि, अब दुबई मैच के बाद विराट ने इस सभी तुलनाओं पर पानी फेर दिया। एक तरह जहां बाबर फेल रहे, वहीं दूसरी तरफ कोहली ने नाबाद शतकीय पारी खेली और भारतीय टीम को जीत दिलाई। बाबर को उनके फैंस श्किंगश् कहकर बुलाते हैं, लेकिन विराट ने साबित किया है कि श्क्रिकेट का किंगश् सिर्फ एक है। 125 वनडे पारियों के बाद बाबर अे विराट बाबर ने अब तक 128 वनडे खेले हैं। इसकी 125 पारियों में उन्होंने 55.50 की औसत से 6106 रन बनाए हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 158 रन की रही है। इस दौरान वह 15 बार नॉटआउट रहे। उनका स्ट्राइक रेट 87.91 का रहा है। बाबर ने अब तक 19 शतक और 35 अर्धशतक समेत कुल 54 पचास से ज्यादा के स्कोर बनाए हैं। उनकी तुलना विराट के 125 पारियों से की जाए तो भारतीय स्टार ने अपनी 125वीं पारी भारत के लिए 132वें मैच में 28 फरवरी 2014 को खेली थी। उन्होंने अपनी 125 वनडे पारी में 52.60 की औसत से 5629 रन बनाए थे। उनका हाईएस्ट स्कोर 183 रन का था और स्ट्राइक रेट 89.94 का रहा था। इस दौरान उन्होंने 19 शतक और 30 अर्धशतक समेत 49 पचास से ज्यादा रन की पारियां खेली थीं। विराट इस दौरान 18 बार नॉटआउट रहे थे। बाबर के ज्यादातर मैच एसोसिएट देशों के खिलाफ रन के मामले में विराट भले ही बाबर से कम रहे हों, लेकिन यह भी देखने की जरूरत है कि बाबर ने इस दौरान किन टीमों के खिलाफ ये रन बनाए हैं। बाबर के रन में से काफी रन आईसीसी के सदस्य देशों जैसे नीदरलैंड, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, नेपाल, हॉन्गकॉन्ग और आयरलैंड के खिलाफ आए हैं। इन देशों के खिलाफ बाबर ने 21 पारियां खेली हैं। जबकि विराट ने अपनी 125 पारियों में से सिर्फ सात पारियां आईसीसी के सदस्य देशों के खिलाफ खेली थीं। विराट के रहते ज्यादा मैच जीती टीम इंडिया इतना ही नहीं, यह भी देखने की जरूरत है कि विराट या बाबर जिन मैचों में खेले हैं, उनमें से उनकी टीम कितने मैच जीतने में कामयाब रही है। बाबर ने अब तक 128 वनडे खेले हैं और उसमें से पाकिस्तान की टीम 68 मैच जीतने में कामयाब रही है, जबकि 55 मैचों में पाकिस्तान की टीम को हार मिली है। एक मैच टाई रहा है, जबकि चार मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला। वहीं, कोहली ने 125 पारियों के लिए 132 मैच खेले थे। इनमें से टीम इंडिया 77 मैच जीतने में कामयाब रही थी, जबकि 46 में टीम इंडिया को हार मिली थी। चार मैच टाई रहे थे, जबकि पांच मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला था। यह दिखाता है कि विराट का प्रभाव कितना ज्यादा रहा है, जबकि बाबर कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। विराट परिपक्व होने के बाद बने कप्तान बाबर अब तक के अपने वनडे करियर में पाकिस्तान की कमान भी संभाल चुके हैं। यह एक ऐसी जिम्मेदारी है जो बाबर को उनके शुरुआती करियर में ही दे दी गई। ऐसा विराट के साथ नहीं था। विराट ने कप्तानी हासिल करने के लिए खुद को साबित किया था। 2008 में डेब्यू करने वाले विराट को 2017 में जाकर सफेद गेंद प्रारूप की कप्तानी मिली थी। ऐसे में वह परिपक्व हुए और अनुभव हासिल किया। जब उन्हें कप्तानी मिली तो भी उन्हें ज्यादा दबाव नहीं लिया और उनके बल्ले से रन निकलना जारी रहा। विराट अपने पूरे वनडे करियर के दौरान कंसिस्टेंट रहे हैं। उन्होंने 299 वनडे की 287 पारियों में 58.20 की औसत से 14085 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 51 शतक और 73 अर्धशतक लगाए हैं। पाकिस्तान में भी होता है विराट का सम्मान यही वजह है कि पाकिस्तान में भी विराट का काफी सम्मान होता है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स तक ने बाबर और उनके फैंस को इस बात के लिए लताड़ा है। हफीज, अहमद शहजाद और आमिर समेत कई पाकिस्तानी क्रिकेटर्स यह कह चुके हैं कि असली किंग विराट कोहली ही हैं। बाबर उनकी तुलना में कहीं नहीं हैं। रविवार को मैच के बाद भी हफीज ने इस पर बयान दिया। उन्होंने कहा- हकीकत में अगर कोई किंग कहलाने का हकदार है, तो वह विराट कोहली हैं, न कि बाबर आजम। कोहली के प्रदर्शन को देखिए। उन्होंने दुनिया भर में प्रदर्शन किया है, पीआर लगाकर किंग नहीं बने हैं। हफीज ने विराट को असली किंग बताया हफीज ने कहा, श्विराट बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। वह बड़े मौकों की तलाश में रहते हैं और प्रदर्शन करते हैं। जब भी भारत पाकिस्तान के खिलाफ खेलता है, तो आपको उन मैचों में स्टार बनने का मौका मिलता है। शोएब मलिक ने भारत के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की, यहीं से वह स्टार बन गए, शाहिद अफरीदी स्टार बन गए जब उन्होंने भारत के खिलाफ छक्के लगाए। विराट कोहली उन मौकों का इंतजार करते रहते हैं, वो उन मौकों को भुनाने का इंतजार करते हैं। वह सकारात्मक मानसिकता रखते हैं, वह सोचते हैं कि श्मैं भारत के लिए मैच जीतूंगा। मैं सिर्फ खेलूंगा ही नहीं, बल्कि अपने देश के लिए मैच जीतूंगा। और यही कारण है कि वह दुनिया के सबसे महान बल्लेबाज हैं।श

16 साल में पहली बार ग्रुप चरण से बाहर हुई मेजबान टीम, गत चौंपियन पाकिस्तान से कहां हुई चूक?

नई दिल्ली। मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान टीम शुरुआत के दोनों ही मुकाबले में चुनौती पेश नहीं कर सकी और उसने कई गलतियां की जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। गत चौंपियन और मेजबान पाकिस्तान का सफर चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप चरण में ही थम गया है। न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत के साथ ही पाकिस्तान की सभी उम्मीदें खत्म हो गई और ग्रुप ए से भारत तथा न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान टीम शुरुआत के दोनों ही मुकाबले में चुनौती पेश नहीं कर सकी और उसने कई गलतियां की जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि 19 फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया। सईम की चोट ने डाला असर पाकिस्तान को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उस वक्त झटका लगा था जब उसके स्टार ओपनर सईम अयूब चोट से उबर नहीं सके और चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए फखर जमां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच की दूसरी ही गेंद पर फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए जिससे भारत के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो सके। गेंदबाजी विभाग भी उतना प्रभावशाली नहीं रहा क्योंकि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी नहीं कर सके। विशेषज्ञ स्पिनरों की कमी पाकिस्तान की टीम में अबरार अहमद के तौर पर सिर्फ एक विशेषज्ञ गेंदबाज था, लेकिन उनका समर्थन करने के लिए दूसरे छोर पर स्पिनर की कमी थी। यह भी पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन का एक कारण रहा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल में उसे हार मिली थी। कागजों में यह टीम कमजोर दिख रही थी, लेकिन माना जा रहा था कि घरेलू परिस्थितियों में पाकिस्तान कुछ दम दिखा सकता है। रिजवान की टीम हालांकि किसी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। न्यूजीलैंड-भारत के खिलाफ नहीं पेश कर सके चुनौती न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में 320 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसमें विल यंग और कप्तान टॉम लाथम ने शतक जड़े। दूसरे मैच में पाकिस्तान का सामना भारत से हुआ जिसमें टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। बाबर आजम और इमाम उल हक ने टीम को अच्छी शुरुआत भी दिलाई, लेकिन पाकिस्तान इसका फायदा उठाने में असफल रहा। भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान को 241 रन के स्कोर पर ही रोका और लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली ने सामने मोर्चा संभाला और 43.2 ओवर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। यूं तो पाकिस्तान की उम्मीदें दो मैच हारने के साथ ही खत्म हो गई थी, लेकिन उसकी संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर जीत ने कर दिया। पाकिस्तान ने बनाया अनचाहा रिकॉर्ड पाकिस्तान ने इसके साथ ही कुछ अनचाहे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। 2009 के बाद यह पहली बार है जब चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबान टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई है। आखिरी बार ऐसा दक्षिण अफ्रीका के साथ हुआ था जब टीम ने तीन में से दो मैच हारे और एक में उसे जीत मिली थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम उस वक्त ग्रुप में सबसे नीचे रही थी। इतना ही नहीं पाकिस्तान ऐसी चौथी टीम है जो चौंपियंस ट्रॉफी में खिताब का बचाव करने उतरी, लेकिन ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई। पहली बार ऐसा 2004 में हुआ जब भारत और श्रीलंका ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। भारत और श्रीलंका 2002 में इस टूर्नामेंट के संयुक्त विजेता बने थे।

पाकिस्तान का सफर खत्म, कप्तान मोहम्मद रिजवान ने कबूला

मोहम्मद रिजवान ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लीग मैचों में न्यूजीलैंड और भारत से मिली हार को स्वीकार किया है। उन्होंने ये भी माना है कि ये दोनों टीमें अच्छा खेलीं और वे कप्तान के तौर पर इन चीजों को पसंद नहीं करते कि टीम दूसरों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचे। पाकिस्तान की टीम के लिए सेमीफाइनल के रास्ते लगभग बंद हो गए हैं।

पाकिस्तान की टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लीग मैचों में न्यूजीलैंड और भारत से मिली हार को स्वीकार किया है। उन्होंने ये भी माना है कि ये दोनों टीमें अच्छा खेलीं और वे कप्तान के तौर पर इन चीजों को पसंद नहीं करते कि टीम दूसरों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचे। पाकिस्तान की टीम के लिए सेमीफाइनल के रास्ते लगभग बंद हो गए हैं। क्योंकि न्यूजीलैंड को बाकी के दो मैचों में से एक में भी जीत मिल जाती है तो पाकिस्तान की टीम के लिए टूर्नामेंट खत्म हो जाएगा। उनका एक मैच बांग्लादेश से है, उसमें भी जीत मिलना कोई मायने नहीं रखता। रिजवान ने पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, देखिए फिलहाल तो हम यही कह सकते हैं कि सब खत्म हो गया। हमारे पास अब कुछ नहीं है। सच ये है, अब अगला मैच हम देखेंगे कि बांग्लादेश क्या करता है न्यूजीलैंड के साथ, न्यूजीलैंड और इंडिया आपस में क्या करते हैं। तो ये एक लंबा सफर है। हां ये है कि उम्मीद है कि अल्लाह ताला से और यकीन है कि हमारे पास तो अब कुछ है नहीं। चौंपियंस ट्रॉफी में अब हम दूसरी टीमों पर निर्भर हैं। मैं एक कप्तान के तौर पर ईमानदारी से बताऊं तो ये चीजें पसंद नहीं हैं। कप्तान रिजवान ने आगे कहा कि, अगर आप में दम है या आप अपने तरीके से जीत सकते हैं तो वो करके दिखाएं। नहीं तो फिर किसी और के भरोसे बैठना तो मुझे ये चीजें पसंद नहीं। मुझे परवाह नहीं कि फिर हम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएं। इन लोगों ने हमें हराया है। न्यूजीलैंड ने हराया है, इंडिया ने हराया है। हम इसे स्वीकार करते हैं। वे बढ़िया खेले। हम बुरा खेले। हम अब ये नहीं कह सकते कि हम अच्छा खेले। हम दूसरों के भरोसे हैं अब। अल्लाह ने चाहा तो मौका बनेगा, तो उसमें कुछ नहीं कर सकते। हालांकि, वर्तमान सिनेरियो बताए तो, पाकिस्तान की टीम तभी सेमीफाइनल में पहुंच सकती है जब बांग्लादेश की टीम आज करीबी मैच में न्यूजीलैंड को हरा दे और पाकिस्तान फिर बांग्लादेश को बड़े अंतर से हरा दे। इसके अलावा पाकिस्तान को ये भी उम्मीद भी करनी होगी कि ग्रुप ए में टीम इंडिया न्यूजीलैंड को बुरी तरह से हराए और पाकिस्तान का नेट रन रेट एक जीत के साथ उस केस में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से ज्यादा रहे।

उम्मीद है कि अब कोई नहीं पूछेगा कि क्या विराट फॉर्म में हैं: राजकुमार शर्मा

दुबई । चौंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली की साहसिक पारी से बेहद खुश और राहत महसूस कर रहे उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत के इस स्टार बल्लेबाज की फॉर्म पर अब सवाल उठने बंद हो जाएंगे। कोहली ने फॉर्म में वापसी करते हुए वनडे में अपना 51वां शतक जमाया, जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर छह विकेट से जीत हासिल करके चौंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। शर्मा ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''अब तो नहीं पूछोगे कि विराट फॉर्म में नहीं है।'' कोहली ने इससे पहले वनडे में अपना आखिरी शतक नवंबर 2023 में लगाया था। पिछले कुछ वर्षों से बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण इस स्टार बल्लेबाज की काफी आलोचना हो रही थी। शर्मा ने कहा कि कोहली कभी खराब फार्म में थे ही नहीं। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा कहता रहा हूं कि वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है और उसने आज यह फिर से साबित कर दिया। वह हमेशा मजबूत टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करता रहा है।'' शर्मा ने कहा, ''वह पिछले कई वर्षों से ऐसा कर रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने देश के लिए सबसे अधिक मैच जीते हैं।'' कोहली ने अपनी इस पारी के दौरान वनडे में 14000 रन भी पूरे किए। वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं। शर्मा ने इसे बड़ी उपलब्धि करार दिया। उन्होंने कहा, ''वनडे में 51वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल मिलाकर 82वां शतक लगाने के अलावा उसने वनडे में 14000 रन भी पूरे किए। यह बड़ी उपलब्धि है। मुझे उसे पर गर्व है कि उसने पूरे देश का गौरव बढ़ाया। हम सब बहुत खुश हैं कि उसने देश को जश्न मनाने का मौका दिया।

मैं अभी अच्छी लय में हूं, जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी अच्छी गेंदबाजी करूंगा: कुलदीप

दुबई । भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा चौंपियंस ट्रॉफी में वह हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ डेथ ओवरों में तीन विकेट लिए और वह एक समय हैट्रिक लेने की स्थिति में भी थे। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी, जिसके कारण वह तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे। कुलदीप ने यहां पत्रकारों से कहा, ''चोटों को ठीक होने में छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। '' कुलदीप चौंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा, ''लेकिन स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। आज जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं।'' कुलदीप ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन-चार मैच खेले हैं। मैं जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी ही अच्छी गेंदबाजी करूंगा।'' कुलदीप ने पाकिस्तान के निचले क्रम के बल्लेबाजों सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए। अपनी रणनीति के बारे में कुलदीप ने कहा, ''अपने पहले स्पैल में मैंने काफी चाइनामैन की। अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने के लिए मैं गुगली भी करता हूं। इसके अलावा मैंने टॉप स्पिन भी की।'' कुलदीप ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने के बारे में कहा, ''मैं अंतिम 10 ओवरों में गेंदबाजी करने के लिए पहली पसंद का गेंदबाज बनने में सक्षम हूं। यहां तक कि कप्तान का भी मानना है कि अगर आपके पास विविधता है तो स्पिनर पर शॉट मारना मुश्किल होता है। सौभाग्य से यह मेरे लिए अच्छा था। विकेट भी धीमा था।

भारत से हारने के बाद भी सेमीफाइनल की रेस से बाहर नहीं हुआ पाकिस्तान

पाकिस्तान को चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है। भारत ने पाक टीम को 6 विकेट से रौंद डाला। इसस पहले पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। वहीं अब कहा जा रहा है कि, भारत से हार मिलने के बाद पाकिस्तान चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया है? अगर अब भी पाकिस्तन के सेमीफाइनल में जाने की कोई संभावना बाकी रह गई है तो जानें पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने का पूरा समीकरण। पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने का समीकरण पाकिस्तान को अगर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना है तो उसे सबसे पहले ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश को हराना होगा। नेट रन रेट को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान को बांग्लादेश पर बहुत बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान और उनके साथियों को ये भी कामना करनी होगी कि भारत और बांग्लादेश, दोनों को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में जीत मिले। अगर कीवी टीम, अगले मैचों में भारत और बांग्लादेश से हार जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान, बांग्लादेश को हरा देता है तो तीन टीम अंकों के मामले में बराबरी पर आ जाएंगी। ऐसे में सेमीफाइनल का फैसला नेट रन-रेट के आधार पर होगा। अभी पाक टीम का नेट रन-रेट-1.087 का है, इसलिए उसे बांग्लादेश पर बहुत बड़ी जीत की जरूरत होगी। ग्रुप ए में बाकी मैच चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश मौजूद हैं।

जीत के क्रम को इंग्लैंड के खिलाफ दोहराने उतरेगी भारतीय पुरूष हॉकी टीम

आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने से ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ सोमवार को एफआईएच प्रो लीग के मैच में इसी लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी।

भारत के साथ मैच से पहले अपनी तैयारियों को परखने के लिए उतरेगी न्यूजीलैंड, हार से बंद होंगे बांग्लादेश के रास्ते

चौंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में पाकिस्तान को मात देने वाली न्यूजीलैंड की टीम का सामना ग्रुप ए के मुकाबले में आज सोमवार को बांग्लादेश के खिलाफ होगा। पिछले मैच में भारत ने बांग्लादेश को हराया था। न्यूजीलैंड अगर बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही तो सेमीफाइनल के लिए कदम आगे बढ़ा लेगी, जबकि बांग्लादेश का सफर लगभग ग्रुप चरण में ही थम जाएगा। उसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ महज औपचारिकता ही होगा। नेट रन रेट में बेहतर है न्यूजीलैंड अपने पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान को 60 रन से हराकर न्यूजीलैंड की टीम ने अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। इस बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट भी अच्छा हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ जीत से वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच जाएगा। दूसरी तरफ बांग्लादेश को अपने पहले मैच में भारत के हाथों छह विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उसका नेट रन रेट भी खराब है और उसे सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। बांग्लादेश की होगी कड़ी परीक्षा बांग्लादेश की भारत के खिलाफ पहले मैच में तीनों विभाग में उसकी कमजोरी खुलकर सामने आई थी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 2261 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 2268 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक–अनूप सिंह
आरएनआई नo UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7952898665,9839177772 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।